दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। बुधवार 18 जून-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 179 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

एअर इंडिया ने तकनीकी खामी के कारण एक ही दिन में की 5 फ्लाइट रद्द

नई दिल्ली। अहमदाबाद में गुरुवार को प्लेन क्रैश की घटना के पांच दिन बाद ही एअर इंडिया को एक दिन में ही पांच फ्लाइट कैंसल करनी पड़ गईं। एयर इंडिया ने इसके पीछ तकनीकी खामी की बात कही है। पहले फ्लाइट संख्या 159को कैंसल किया गया था। यह दोपहर 1 बजकर 10 मिनट पर अहमदाबाद से लंदन जाने वाली थी। इसके बाद एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि एआई 143 को भी कुछ दिक्कत की वजह से कैंसल किया जा रहा है। यह फ्लाइट दिल्ली से पेरिस के लिए रवाना होने वाली थी।

एअर इंडिया ने कहा, उड़ान से पहले अनिवार्य जांच के दौरान एक कमी पाई गई थी। इसे सुधारने की कोशिश की जा रही है। हम यात्रियों के रुकने की व्यवस्था कर रहे हैं। इसके अलावा टिकट कैंसल करने वालों को पूरा रिफंड दिया जाएगा। इसके अलावा एआई142 पेरिस से दिल्ली की फ्लाइट को भी कैंसल किया जा रहा है। यह

18 जून को पेरिस से रवाना होने वाली थी। बता दें कि सोमवार को भी अहमदाबाद से लंदन की फ्लाइट रद्द कर दी गई थी। एअर इंडाया का कहना है कि विमानों की कमी के चलते भी फ्लाइट कैंसल की जा रही हैं। एयर इंडिया का कहना है कि एयर स्पेस प्रतिबंधित होने और अतिरिक्त जांच के चलते अब एयरक्राफ्ट्स को समय ज्यादा लग रहा है। अहमदाबाद से लंदन के लिए एअर इंडिया की सीधी उड़ान को पहले इसके निर्धारित कोड 'एआई-171' से जाना जाता था। अधिकारी ने कहा, दुर्घटना के बाद विमानन कंपनी ने अहमदाबाद से लंदन की उड़ानें निलंबित कर दी थीं।

एयरलाइन ने सोमवार (16 जून) को सेवा फिर से शुरू की, लेकिन नए उड़ान कोड एआई-159 के साथ। उन्होंने बताया कि वापसी की उड़ान जिसका कोड एआई-160 था, निर्धारित समय के अनुसार मंगलवार

संबंधित खबर, पृष्ठ 2

नहीं हुई है तीन सौ प्रतिशत की वृद्धि, हर दो साल में बढ़ता टैक्स तो भी होता अधिक : मुख्य कर निर्धारण अधिकारी

- निगम लगातार कर रहा है विसंगतियों को दूर

गाजियाबाद, करंट क्राइम : जनप्रतिनिधों से लेकर खुद निगम के पार्षद हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी को लेकर ऐलान कर रहे हैं। तो मेयर से लेकर नगर आयुक्त इसपर लगातार अपना पक्ष रख रहे हैं। इसी को लेकर मंगलवार को नगर निगम के मुख्यालय पर संपत्ति कर को लेकर नगर निगम द्वारा प्रेसवार्ता कर अपना पक्ष रखा गया है। गाजियाबाद नगर निगम ने संपत्तिकर वृद्धि पर फैल रही भ्रांतियों को खारिज किया है। उन्होंने कहा है कि गाजियाबाद नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी संजीव सिन्हा ने बताया कुछ जनसामान्य के द्वारा सम्पत्तिकर की दरों को लेकर भ्रान्ति फैलायी जा रही है कि नवीन मासिक किराया दरों से पूर्व सम्पत्तिकर में 300 प्रतिशत तक की वृद्धि हो रही है, जो पूर्ण रूप से गलत है। जबकि प्रत्येक जोन में कुछ ऐसी सम्पत्तियों पर संबंधित भवनस्वामी से भवन का क्षेत्रफल प्राप्त कर सम्पत्तिकर की गणना की गई है, जिसमें लगभग दो गुना तक वृद्धि हो रही है।

क्षेत्रफल व प्रॉपर्टी यूज बदलने पर बढ़ रहा है टैक्स

करंट क्राइम : नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी संजीव सिन्हा ने आगे बताया कि भवन के क्षेत्रफल में वृद्धि, मूल स्वरूप में परिवर्तन या आवासीय से अनावासीय प्रयोग व अन्य कारणों से ही अत्यधिक वृद्धि देखने को मिल रही है, जो सम्पत्तिकर की दरों के कारण नही हो रही है। उनका कहा है कि यदि किसी भी जनसामान्य को अपने भवन पर आगणित सम्पत्तिकर के संबंध में कोई भी आपत्ति है, तो ऐसी समस्याओं के निस्तारण के लिए नगर आयुक्त के द्वारा मुख्यालय स्तर और जोनल स्तर पर टीमों का गठन किया गया है, जो आपत्तिकर्ताओं को सुनकर उनकी आपत्ति का निस्तारण कर रहे है,यदि किसी भी सम्पत्तिकरदाता को किसी भी प्रकार की समस्या है, तो वह अपने संबंधित जोनल कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में सम्पर्क कर सकते हैं। उनका कहना है कि क्षेत्रफल व प्रॉपर्टी यूज बदलने पर ही टैक्स बढ़ रहा है।

अब तक कुल 318 आपत्तियां हुई प्राप्त

करंट क्राइम : नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी संजीव सिन्हा ने बताया कि नगर निगम अधिनियम 1959 एवं उ0प्र0 नगर निगम सम्पत्तिकर नियमावली 2000 यथासंशोधित नियमावली 2013 में दिये गये प्राविधानों के अनुसार वर्ष 2022 में सम्पत्तिकर की दरों को तैयार करते हुए नगर में परिचालित दो दैनिक समाचार पत्रों प्रकाशन कराकर आपत्ति मांगी गई थीं। जिसमें कुल 318 आपत्तियाँ प्राप्त हुई। प्राप्त आपत्तियों का तत्कालीन नगर आयुक्त के द्वारा गठित समिति के द्वारा नियमानुसार सुनवाई करते हुए आपत्तियों का निस्तारण करते हुए संबंधित आपत्तिकर्ता को सूचित भी किया जा चुका है।

2001 का नियम होता लागू तो अधिक बढ़ता टैक्स

करंट क्राइम : मुख्य कर निर्धारण अधिकारी ने कहा सदन द्वारा वर्ष 2016 में लिये गये निर्णय के क्रम में बताया है कि यदि वर्ष 2001 में लागू दरों में प्रति दो वर्ष में 10 प्रतिशत की वृद्धि की जाती है, तो वर्तमान में प्रभावी किराया दरों से कहीं अधिक दरें होती। वर्तमान मासिक किराया दरें गाजियाबाद शहर की जनता को राहत देने के लिए ही तैयार की गई ह, ताकि जनसामान्य पर अनावश्यक रूप से टैक्स का बोझ न पड़े। सीधे शब्दों में अगर 2001 वाला नियम लागू होता तो अब तक अधिक टैक्स देना पड़ता जबकि अब कम देना पड़ेगा।

292 महिला पुलिसकर्मियों की टीम संभलेगी गाजियाबाद की सुरक्षा व्यवस्था

ट्रेनिंग हुई शुरू, सात अलग-अलग ट्रेनिंग सेंटर बनाए गए

गाजियाबाद,करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में ट्रेनिंग के बाद 292 महिला पुलिसकर्मी गाजियाबाद की सुरक्षा की कमान संभालने का काम करेंगी। उनकी मंगलवार से प्राथमिक ट्रेनिंग की शुरूआत हो गई है। इसके साथ ही पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में कुल 1464 पुलिसकर्मी 6 महीने की लंबी ट्रेनिंग लेंगे। इसमें 1172 पुरुषकर्मी भी शामिल हैं।

इन सभी को पिछले दिनों लखनऊ में मुख्यमंत्री और गृहमंत्री द्वारा भर्ती पत्र भी वितरित किए गए थे। तो अब मंगलवार, बुधवार और गुरुवार तीन दिन यह गाजियाबाद में अलग-अलग सेंटर में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। इसके बाद इनकी ट्रेनिंग शुरू होगी। मंगलवार को पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में एडिशनल सीपी मुख्यालय कल्पना सक्सेना द्वारा अलग-अलग सेंटरों का ट्रेनिंग शुरू होने से पहले विधिवत निरीक्षण भी किया गया। ट्रेनिंग के प्रभारी के रूप में आईपीएस निमिष दशरथ पाटिल बनाए गए हैं। तो वहीं कोर्स कोऑर्डिनेटर की भूमिका एडीसीपी पीयूष सिंह को दी गई है।

इन सात केंद्रों में रहेंगे ट्रेनिंग पाने वाले अभ्यर्थी

करंट क्राइम : मंगलवार को पुलिस लाइन और अलग-अलग स्थानों पर पुलिस की ट्रेनिंग करने वाले कैंडिडेट पहुंचने शुरू हो गए। पुलिस के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार गाजियाबाद में सात ट्रेनिंग सेंटर बनाए गए हैं। जिसमें पुलिस लाइन में लगभग 600, सुंदरदीप कॉलेज में 200, पीएसी-47वीं वाहिनी में 200, 41वीं वाहिनी पीएसी में 200 लड़कियां, इंदिरापुरम के एक सरकारी स्कूल में 100 पुलिसकर्मी, 110 एनडीआरएफ और 92 पुलिसकर्मी महिला खोड़ा में रखी गई हैं। बताया जा रहा है कि 17 से 19 जून तक यहां वह आवेदन करने के बाद उनको अलग ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। साथ ही उनको एक नंबर अलाउड किया जाएगा, बड़े बाबू के पास इनका पूरा विवरण पहुंचेगा। इसके बाद इन सभी की विधिवत ट्रेनिंग शुरू होगी।

अधिकारियों के स्टार से लेकर परिचय देने की मिलेगी ट्रेनिंग

करंट क्राइम : पुलिस के अधिकारियों की देखरेख में अब 6 माह से अधिक की 1464 नई चयनित पुलिस कर्मियों को यहां विभिन्न चरण की ट्रेनिंग दी जाएगी। इस ट्रेनिंग के दौरान जहां यह अधिकारियों से परिचय प्राप्त करेंगे, तो अलग-अलग अधिकारियों को उनके स्टार, उनकी टोपी और उनके मेडल देखकर कैसे पहचाना जाता है यह सिखाया जाएगा। इसके साथ ही कानून व्यवस्था की स्थिति कंट्रोल करने से लेकर नए कानून और फील्ड में किस तरीके का आचरण और सोशल मीडिया पॉलिसी का पालन करना है। कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर इनको विस्तार से सिखाया जाएगा, तो लंबी कार्य अनुभव की ट्रेनिंग भी चलेगी।

6 माह से अधिक की 1464 नई चयनित कर्मियों को यहां विभिन्न चरण की ट्रेनिंग दी जाएगी

कांवड़ यात्रा पर गाजियाबाद से संचालित होंगी 200 अतिरिक्त बसें

क्षेत्रीय प्रबंधक गाजियाबाद ने अलग-अलग डिपो को लिखा पत्र

गाजियाबाद, करंट क्राइम : सावन मास में आने वाले कांवड़ यात्रा पर्व 2025 के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी गई हैं। इसी कड़ी में क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज ने समस्त सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों और डिपो के प्रभारी को कांवड़ यात्रा के मद्देनजर बसों का प्रबंध करने का निर्देश दिया गया है। इसके तहत कांवड़ यात्रा के दौरान गाजियाबाद के लोनी, साहिबाबाद ,कौशांबी और गाजियाबाद डिपो से कुल 200 बसों को हरिद्वार जल लाने और लेकर आने वाले शिव भक्तों के लिए संचालित की जाएगी।

इसको लेकर अधिकारियों द्वारा दिशा निर्देश दे दिए गए हैं। इसके साथ ही जिलाधिकारी गाजियाबाद ,हापुड़ , बुलंदशहर और एसपी,एसएसपी व पुलिस कमिश्नर के साथ ही परिवहन निगम और लखनऊ मुख्यालय को भी यह सूचना भेज दी गई है।

गाजियाबाद के चार डिपो से चलेंगी 200 अतिरिक्त बसें

करंट क्राइम। क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज गाजियाबाद ने जानकारी दी है कि कांवड़ यात्रा के लिए हरिद्वार के लिए जो विशेष बसे संचालित होगी। उसमें लोनी डिपो से 55, साहिबाबाद डिपो से 55, कौशांबी रोडवेज बस अड्डे से 60 और गाजियाबाद पुराने बस अड्डे से कुल 30 बसों को हरिद्वार कांवड़ यात्रा में गंगाजल लाने भक्तों के लिए चलाई जाएंगी। इसके लिए रोडवेज के अधिकारियों द्वारा चालकों और परी चालकों की व्यवस्था को पूर्ण रूप से व्यवस्थित करने का भी इस पत्र में जिक्र किया गया है। बता दें कांवड़ यात्रा के लिए गाजियाबाद से कुल 200 अतिरिक्त बसें हरिद्वार से गंगाजल लाने के लिए संचालित होगी।

राज्यपाल से लेकर सीएम और विशेष जज की सुरक्षा करेंगे निम्मी और ऐरो

निम्मी संभालेगी 41वीं पीएसी गाजियाबाद बीडीडीएस का जिम्मा, एरो एएस चेक टीम का हिस्सा

गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद, करंट क्राइम : बीएसएफ टेकनपुर ग्वालियर मध्य प्रदेश से विस्फोटक, खोजी और स्नाइपर से लेकर कई तरीके की खास ट्रेनिंग लेकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में दो स्पेशल डॉग जल्द ही शामिल किए जाएंगे। दोनों ही बेल्जियम शेफर्ड किस्म के डॉग हैं, जिन्हें राष्ट्रीय श्वान प्रशिक्षण केंद्र ग्वालियर में खास ट्रेनिंग दी गई है। इसमें से निम्मी जोकी वीआईपी मूवमेंट जिसमें मुख्यमंत्री, राज्यपाल, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति जैसे विशेष अतिथियों के आगमन पर सुरक्षा का जिम्मा संभालने का काम करेगी। तो वहीं एरो पर अयोध्या मामले के विशेष न्यायाधीश की सुरक्षा की कमान मिली हुई है। निम्मी के साथ पैडलर के रूप में संदीप सिंह गाजियाबाद 41वीं वाहिनी पीएसी में भेजा जाएगा। तो वही ऐरो को सतीश और

बीएसएफ ग्वालियर कैंप से 6 महीने की लेकर आए हैं विशेष ट्रेनिंग

सुनील चौधरी मुख्य आरक्षी व आरक्षी के रूप में अपने साथ रखेंगे। लखनऊ के अधिकारियों से जानकारी मिली है कि दोनों ही बेल्जियम शेफर्ड किस्म के डॉग जल्द ही पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद का हिस्सा बनेंगे। यह सुरक्षा से लेकर विशेष प्रकार की जांच, गंध और अभियान का हिस्सा भी रहेंगे।

बीएसएफ ग्वालियर से ली है दोनों ने विशेष ट्रेनिंग

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्रों से जानकारी मिली है कि निम्मी और ऐरो ने राष्ट्रीय श्वास प्रशिक्षण केंद्र सीमा सुरक्षा बल टेकनपुर ग्वालियर में 6 जनवरी से लेकर 21 जून तक कोर्स पूरा करना है। इस कोर्स के दौरान विस्फोटक, खोजी और कई अन्य प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं। तो वही स्नीपर स्वान के साथ इन दोनों डॉग्स को खास तरीके की गंध और अलग-अलग कपड़ों के जरिए दुश्मनों की पहचान करने की खास ट्रेनिंग दी गई है। बताया जा रहा है कि बेल्जियम शेफर्ड बेहद फुर्तीला और लचीला डॉग होता है। इसके साथ ही इसकी सुनने की क्षमता अधिक होने के साथ यह मानव के साथ अधिक फ्रेंडली रहता है, इसीलिए इसे विशेष ट्रेनिंग प्रदान की जाती है।

वीआईपी सुरक्षा के लिए खास माने जाते हैं बेल्जियम शेफर्ड

करंट क्राइम : राष्ट्रीय श्वान प्रशिक्षण केंद्र सीमा सुरक्षा बल टेकनपुर ग्वालियर से खास ट्रेनिंग लेकर आने वाले निम्मी और एरो के जिम्में वीआईपी सुरक्षा रहेगी।

बताया जा रहा है कि निम्मी जहां मुख्यमंत्री, राज्यपाल से लेकर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के कार्यक्रम से पहले सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लगी। तो वही विशेष न्यायाधीश की सुरक्षा में तैनात एरो को भी सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐरो के ऊपर देश के सबसे प्रमुख और बड़े मुकदमे के न्यायाधीश की सुरक्षा का जिम्मा मिलना अपने आप में खास हो जाता है। साथ ही यह उसकी काबिलियत को भी दशार्ता है। बता दें कि बीते करीब 6 महीने से गाजियाबाद पुलिस के पास विशेष सुरक्षा और सुगंध ग्रहण करने वाले डॉग्स की कमी थी। एक डॉग की जहां बीमारी की वजह मृत्यु हो गई थी, तो वही एक डॉग रिटायर्ड हो चुका है।

आए बादल झूम के....दिल्ली-एनसीआर में बरसे बदरा

जलती-चुभती गर्मी से लोगों को मिली राहत, दो-तीन दिन छाए रहेंगे बादल

नई दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में दोपहर करीब दो बजे मौसम पूरी तरह से बदल गया। आसमान में घने बादल छा गए। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में तेज हवाएं चल रही हैं। वहीं नोएडा और गुरुग्राम में बारिश के साथ ठंडी हवाओं ने मौसम को और सुहावना बना दिया है।

गुरुग्राम में हल्की बारिश के साथ मौसम बदला : भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को मौसम ने बड़ी राहत दी। सुबह से ही बादलों की आवाजाही बनी रही और दोपहर बाद हल्की बारिश के साथ ठंडी हवाओं ने शहर को सुहावना बना दिया। मौसम विभाग के अनुसार, तापमान में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली। जिले के विभिन्न हिस्सों में हल्की बारिश सुबह से ही देखी जा रही है।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट : मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 2-3 दिनों तक बादल छाए रहेंगे और रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। ऐसे में गर्मी से परेशान लोगों को आने वाले दिनों में भी राहत मिलने की उम्मीद है। फिलहाल मौसम का यह बदला मिजाज लोगों के चेहरे पर मुस्कान ले आया है और फिजा को खुशनुमा बना दिया है।

दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में चलीं तेज हवाएं

नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद में बारिश वहीं में दोपहर दो बजे के करीब मौसम अचानक से बदल गया। तेज हवाएं और बिजली कड़की और इसके बाद बारिश शुरू हो गई। फरीदाबाद में अचानक बदले मौसम के मिजाज ने शहर का माहौल खुशनुमा बना दिया। वहीं तापमान में गिरावट से भीषण गर्मी से कुछ राहत महसूस की गई। गाजियाबाद में भी बारिश हो रही है। इसके अलावा बुलंदशहर में तेज बारिश हुई।

तकनीकी खराबी के कारण एअर इंडिया की अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट की गई रद्द

दिल्ली-पेरिस, गैटविक-अमृतसर की उड़ान भी बाधित

नई दिल्ली। एअर इंडिया की अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट रद्द कर दी गई है। यह वही रूट है, जिस पर अक 171 दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। इस बीच लंदन से अमृतसर, दिल्ली से पेरिस और पेरिस से दिल्ली की उड़ान को भी रद्द कर दिया गया है। दिल्ली-पेरिस वाली एअर इंडिया की उड़ान को रद्द करने की वजह तकनीकी समस्या बताई गई।

जानकारी के मुताबिक, एअर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान एआई-159 दोपहर 1.10 बजे अहमदाबाद से रवाना होना था। इसका लंदन पहुंचने का समय शाम 6.25 बजे बताया गया। बीते दो दिन में तीन बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान में तकनीकी समस्या देखी गई। पहले एयर इंडिया एआई 315 (हांगकांग से दिल्ली) संदिग्ध तकनीकी खराबी के कारण बीच उड़ान में ही वापस लौट आया। इसके बाद सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही फ्लाइट को कोलकाता में ही ठहरना पड़ा और अहमदाबाद-लंदन की फ्लाइट को रद्द करना पड़ा है।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, '17 जून को दिल्ली से पेरिस जाने वाली फ्लाइट एआई143 को रद्द कर दिया गया है। उड़ान से पहले की अनिवार्य जांच में एक समस्या सामने आई है, जिसे अभी ठीक किया जा रहा है। हालांकि, पेरिस चार्ल्स डी गॉल हवाई अड्डे पर रात के संचालन पर प्रतिबंध के तहत आने वाली उड़ान को देखते हुए उड़ान को रद्द कर दिया गया है। हम होटल में ठहरने की व्यवस्था कर रहे हैं और यात्रियों को विकल्प की पेशकश भी कर रहे हैं। परिणामस्वरूप 17 जून, 2025 को पेरिस से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट एआई142 भी रद्द कर दी गई है।'

हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार दोपहर अहमदाबाद से लंदन के लिए रवाना होने वाली एअर इंडिया की उड़ान को परिचालन संबंधी मुद्दों के कारण रद्द कर दिया गया है। एअर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट ने भी पुष्टि की है कि अहमदाबाद से लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए एआई-159 की उड़ान रद्द कर दी गई है। विमान को सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से तय समय से देरी से दोपहर तीन बजे रवाना होना था।

हवाई अड्डे के अधिकारी ने कहा, 'हमें सूचित किया गया है कि परिचालन संबंधी कारणों की वजह से उड़ान रद्द कर दी गई है। अहमदाबाद से लंदन के लिए मूल उड़ान, जिसका कोड एआई-171 था, ने सोमवार से नए उड़ान कोड एआई-159 के साथ परिचालन फिर से शुरू किया था।' अधिकारी ने उड़ान रद्द होने के कारण 'परिचालन संबंधी मुद्दों' के बारे में विस्तार से नहीं बताया।

बम की धमकी के बाद इंडिगो विमान की नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। एक और विमान में बम की धमकी मामला सामने आया है। यह विमान कोच्चि से दिल्ली जा रहा था। बम की धमकी मिलने के बाद इस विमान को नागपुर में उतार लिया गया है। जानकारी के मुताबिक वह विमान इंडिगो एयरलाइंस का था। पिछले पांच दिन के अंदर विमान को बम की धमकी का यह तीसरा मामला है। इससे पहले सोमवार को लुफ्तांसा एयरलाइंस के विमान को भी बम की धमकी मिली थी। यह विमान जर्मनी से हैदराबाद आ रहा था। वहीं, शुक्रवार को फुकेत से उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के विमान को भी बम की धमकी मिली थी। इसके बाद विमान वापस फुकेत एयरपोर्ट पर लैंड हो गया था।

धमकी में फ्लाइट नंबर भी था

इंडिगो एयरलाइंस के इस विमान को नागपुर एयरपोर्ट पर सुरक्षित ढंग से लैंड कराया गया है। यहां पर सुरक्षा एजेंसियों ने पूरी सतर्कता के साथ सभी यात्रियों को विमान से उतारा। इसके बाद सभी प्रोटोकॉल को फॉलो करते हुए विमान की पूरी तरह से जांच की गई। यह मामला इसलिए भी गंभीर था क्योंकि धमकी देने वाले ने फ्लाइट का नंबर तक बताया था। जिस वक्त यह धमकी मिली, यह विमान कोच्चि से उड़ान भर चुका था। धमकी की गंभीरता को देखते हुए इसे नागपुर की तरफ डायवर्ट कर दिया गया। फिलहाल यह विमान वहीं पर खड़ा है।

पिछले पांच दिनों में विमान को बम की धमकी का यह तीसरा मामला

सुरक्षा एजेंसियों ने पूरी सतर्कता के साथ यात्रियों को विमान से उतारा

गौरतलब है कि आज ही एअर इंडिया ने अपनी सैन फ्रांसिस्को-मुंबई उड़ान के एक इंजन में तकनीकी खराबी आने के कारण इसे कोलकाता में निर्धारित ठहराव पर ही समाप्त कर दिया। उड़ान को समाप्त किए जाने के कारण नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया और ह्यबोइंग777-200 एलआरह्व के 211 यात्री, अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने में लग गए कि उन्हें जल्द से जल्द उनके गंतव्य तक पहुंचाया जाए। बता दें कि 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे के बाद फ्लाइट्स की इमरजेंसी लैंडिंग की घटनाओं में काफी ज्यादा इजाफा हुआ है।

पायलट सुमित सभरवाल का हुआ अंतिम संस्कार

चालक दल की सदस्य को भी दी गई अंतिम विदाई

मुंबई। पिछले हफ्ते अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान के पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल का मंगलवार को मुंबई में अंतिम संस्कार किया गया। उनके पिता ने अंतिम संस्कार से पहले अपने बेटे को भावभीनी विदाई दी। अधिकारियों ने बताया कि अहमदाबाद से सभरवाल का पार्थिव शरीर मुंबई लाए जाने के कुछ घंटों बाद परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में उपनगरीय चकला में एक विद्युत शवदाह गृह में अंतिम संस्कार किया गया।

एक अधिकारी ने बताया कि 56 वर्षीय अनुभवी पायलट का अंतिम संस्कार करने के बाद उनके पिता और परिवार के अन्य सदस्य सुबह करीब 11.15 बजे श्मशान घाट से चले गए। इससे पहले सुबह में सभरवाल के पार्थिव शरीर को लेकर ताबूत एक विमान से मुंबई हवाई अड्डे पहुंचा और उसके बाद उनके परिवार के सदस्य उसे पवई इलाके के जल वायु विहार स्थित उनके आवास पर ले गए।

सभरवाल के कई दोस्त और रिश्तेदार तथा स्थानीय निवासी उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए उनके आवास के बाहर एकत्र हुए। व्यवसायी निरंजन हीरानंदानी और स्थानीय विधायक दिलीप लांडे उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने सभरवाल के घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सुमीत सभरवाल के पिता पुष्करराज और अन्य रिश्तेदारों को भी श्रद्धांजलि देते देखा गया। व्यवसायी निरंजन हीरानंदानी और स्थानीय विधायक दिलीप लांडे ने भी सभरवाल को श्रद्धांजलि दी।

चालक दल की सदस्य मैथिली पाटिल को भी दी गई अंतिम विदाई

242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान एआई-171 12 जून को अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान के एक मेडिकल कॉम्प्लेक्स में दुर्घटनाग्रस्त होने से विमान में सवार एक यात्री को छोड़कर सभी की मौत हो गई, जबकि 29 अन्य लोग जो जमीन पर थे, उनकी भी मौत हो गई थी। डीजीसीए ने कहा था, 'विमान ने अहमदाबाद से रनवे 23 से 1339 आईएसटी (12 जून को) उड़ान भरी थी। इसने एटीसी को मेडे कॉल किया, लेकिन उसके बाद विमान ने एटीसी द्वारा की गई कॉल का कोई जवाब नहीं दिया।'

इस बीच महाराष्ट्र के रायगढ़ में अहमदाबाद हादसे में जान गंवाने वाली विमान की चालक दल की सदस्य मैथिली पाटिल को अंतिम विदाई दी गई। अहमदाबाद में

राजा रघुवंशी केस की जांच तेज, सीन रीक्रिएट करने के लिए आरोपियो को सोहरा ले गई पुलिस

शिलांग। राजा रघुवंशी हत्याकांड की जांच तेज हो गई है। मेघालय पुलिस आरोपियों को लेकर सीन रीक्रिएट करने के लिए सोहरा ले गई। अधिकारियों ने बताया कि मेघालय पुलिस इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी की हत्या के सभी आरोपियों को मंगलवार को सोहरा ले गई, जिसमें उनकी पत्नी सोनम भी शामिल हैं। राजा की 23 मई को पूर्वोत्तर राज्य में हनीमून के दौरान हत्या कर दी गई थी। हत्या के सिलसिले में उनकी पत्नी सोनम, उनके कथित प्रेमी राज और तीन हत्यारों को गिरफ्तार किया गया है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में क्राइम सीन रीक्रिएशन पर एसपी ईस्ट खासी हिल्स विवेक सिम ने कहा, 'रीक्रिएशन बहुत सफल रहा। अब हमें बहुत स्पष्ट तस्वीर मिल गई है। एसआईटी ने आज कई जगहों का दौरा किया ताकि यह पता लगाया जा सके कि आरोपियों ने यह कैसे किया। हमने पार्किंग स्थल से शुरूआत की, जहां उन्होंने अपने दोपहिया वाहन रखे थे। हम व्यू-पॉइंट पर गए और पता लगाया कि हत्या से ठीक पहले कौन कहां खड़ा था। तीन वार किए गए- पहला विशाल ने, दूसरा आनंद ने और आखिरी वार आकाश ने किया। हमने पाया कि एक और चाकू अभी भी बरामद किया जाना है।'

'आरोपियों ने फिर से बताया कि उन्होंने चाकू कैसे फेंका' : उन्होंने आगे कहा, 'आरोपियों ने फिर से बताया कि उन्होंने चाकू कैसे फेंका। एसडीआरएफ दूसरा हथियार बरामद करने की कोशिश कर रहा है। हमने पता लगाया है कि राजा के मोबाइल फोन का क्या हुआ। इसे सोनम ने और फिर विशाल ने क्षतिग्रस्त किया। यह पूरी घटना दोहराई गई और यहां से उनका निकलना भी।'

'राजा को मारा गया तो सोनम मौके से दूर चली गई' : एसपी ईस्ट खासी हिल्स ने कहा, 'हमने पता लगाया है कि पीड़ित को हथियार से मारा गया था। पहला वार विशाल उर्फ विक्की ने किया था। जब राजा को मारा गया और खून निकला, तो सोनम मौके से दूर चली गई। तीनों आरोपियों ने शव को नीचे फेंक दिया।'

राजा का क्षत-विक्षत शव 2 जून को वेइसाडोंग जलप्रपात के पास खाई में मिला था। सोनम 9 जून की सुबह करीब 1,200 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में मिली थी। यहां उसने आत्मसमर्पण कर दिया था।

यूपी वालों को लग सकता है जोर का बिजली का झटका

40 से 45 फीसदी बढ़ोतरी का दिया गया प्रस्ताव

लखनऊ। पॉवर कॉर्पोरेशन की ओर से विद्युत नियामक आयोग में दाखिल बिजली दरों में 40-45 फीसदी बढ़ोतरी का संशोधित प्रस्ताव स्वीकार होता है तो उपभोक्ताओं को तगड़ा झटका लगेगा। संशोधित प्रस्ताव के आधार पर ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं के लिए अधिकतम फिक्स चार्ज 8 और शहरी के लिए 9 रुपये प्रति प्रति यूनिट हो जाएगा। उन्हें अधिकतम फिक्स चार्ज के साथ प्रति किलोवाट फिक्स चार्ज, विद्युत कर और दूसरे शुल्क जोड़कर प्रति यूनिट 12 से 13 रुपये चुकाने होंगे।

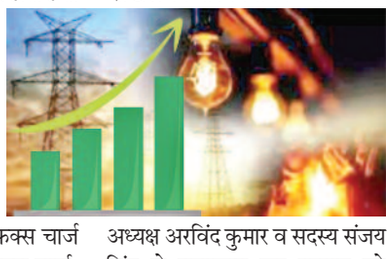

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाया है कि पॉवर कॉर्पोरेशन ने फिक्स चार्ज में बड़ा खेल किया है। परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने शुक्रवार को पॉवर कॉर्पोरेशन की ओर से दिए प्रस्ताव के विरोध में सोमवार को नियामक आयोग में लोकमहत्व प्रस्ताव दाखिल किया। नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय सिंह से मुलाकात कर प्रस्ताव को असांविधानिक करार देते हुए खारिज करने की मांग की।

वर्मा ने बताया कि भाजपा के संकल्प पत्र में गरीबों को 100 यूनिट तक तीन रुपये प्रति यूनिट देने की बात कही गई है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उपचार की व्यवस्था आरंभ

नई दिल्ली। दिल्लीवासियों को मंगलवार से आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सौगात मिलने जा रही है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह गुप्ता एन्क्लेव स्थित पुराना बरात घर में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन करेंगे।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में आयुष्मान आरोग्य मंदिर विकसित किए जा रहे हैं। दिल्ली में 2406 करोड़ की लागत से 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर तैयार होने हैं। इसके लिए दिल्ली सरकार 964 स्थलों की तलाश कर चुकी है। 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर दिल्ली सरकार, नगर निगम व नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) डिस्पेंसरियां में तैयार हो चुके हैं।

इसके बाद जल्द ही 30 अतिरिक्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर भी जल्द शुरू होंगे। कई मोहल्ला क्लीनिक को भी आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में भी विकसित किया गया है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मोहल्ला क्लीनिक व डिस्पेंसरियों की तुलना में अधिक सुविधा होगी। इसमें विभिन्न बीमारियों की जांच, इलाज के साथ-साथ जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम के लिए स्क्रीनिंग कार्यक्रम व जागरूकता अभियान में भी चलाए जाएंगे।

सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती सोनिया गांधी की सेहत में सुधार

नई दिल्ली। पेट से जुड़ी समस्या को लेकर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को रविवार शाम को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मिली जानकारी के मुताबिक सोनिया गांधी की सेहत में सुधार बताया जा रहा है, लेकिन अभी उनकी अस्पताल से छुट्टी की तारीख तय नहीं की गई है।

अस्पताल के चेयरमैन अजय स्वरूप ने बताया कि सोनिया गांधी की हालत स्थिर है और सेहत में सुधार है, वे पेट के संक्रमण से उबर रही हैं। उनके खान-पान पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और वे निगरानी में हैं। एहतियात के तौर पर, उनकी छुट्टी की तारीख अभी तय नहीं की गई है। डॉक्टरों की टीम उनके स्वास्थ्य और खान-पान पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

दरअसल नौ जून को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने इसी अस्पताल में मेडिकल चेक-अप कराया था। चेक-अप से दो दिन पहले, उच्च रक्तचाप की शिकायत के बाद शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) में उनकी कुछ जांच की गई थी।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
विकास पथ गाजियाबाद
(ISO 9001 :2015 एवं ISO 14001 :2015 प्रमाणित संस्था)

'आवश्यक सूचना'

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण द्वारा सृजित इन्दिरापुरम आवासीय योजना में निम्न भूखण्डों के आवंटन विषयक कोई अभिलेख प्राधिकरण कार्यालय में उपलब्ध नहीं है, पूर्व योजना लिपिकों द्वारा इन भूखण्डों के आवंटन विषयक कोई जानकारी वर्तमान योजना लिपिक को नहीं दी गयी है। भूखण्डों का विवरण निम्नवत है :–

क्र०सं०	भूखण्ड संख्या	योजना का नाम
1.	शक्तिखण्ड प्रथम 361/2 शक्तिखण्ड द्वितीय–37, 44, 115, 127, 48, 105, 130, 168, 180 एवं 208 सी शक्तिखण्ड तृतीय–522ए, 698, 22 एवं 363 शक्तिखण्ड चतुर्थ 349, 66, 73ए, 108, 298, 474, 925 एवं 1095	इन्दिरापुरम
2.	ज्ञानखण्ड प्रथम–138 ज्ञानखण्ड द्वितीय–19 ज्ञानखण्ड तृतीय–88, 119	इन्दिरापुरम
3.	ए–231	कौशाम्बी

उपरोक्त विषयक भूखण्डों से सम्बन्धित यदि किसी के पास आवंटन विषयक अभिलेख/रजिस्ट्री है तो सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर अपने मूल अभिलेखों सहित प्रभारी सम्पत्ति जोन–6/संयुक्त सचिव–प्रथम के कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा प्रस्तुत कर सकते हैं, प्राप्त दावों का परीक्षण कर अन्तिम निर्णय लिया जायेगा। निर्धारित अवधि पर दावा प्राप्त न होने पर उक्त भूखण्डों को रिक्त मानते हुए भूखण्डों का आवंटन नियमानुसार अन्य किसी को कर दिया जायेगा। उपरोक्त अवधि के उपरान्त किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जायेगा।

अपर सचिव

ई-मेल : helplinegda@gmail.com, : @ Gda Ghaziabad : @ gdagzb
हेल्पलाईन 0120-4418 384, व्हाट्सएप: 9990988004 वेबसाईट: www.gdaghaziabad.in
एक सुन्दर शहर .... हमारा संकल्प

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। बुधवार 18 जून-2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

हमारे प्रोडक्ट्स सौ फीसदी मेक इन इंडिया हैं : संजीव गुप्ता

इस दुनिया में कुछ हीरो ऐसे होते है जो किसी स्क्रिप्ट पर काम नहीं करते हैं। वे अपनी स्क्रिप्ट खुद लिखते हैं। अपनी मंजिल को खुद तय करते हैं। अपना नाम खुद बनाते हैं। अपने समाज का नाम बनाते हैं और देश-दुनिया में छा जाते हैं। ऐसी ही एक शख्सियत और हीरो हमारे साथ है जिन्हें गाजियाबाद की जनता मिस्टर कूल के नाम से जानते है। ये है **समरकूल के चेयरमैन संजीव गुप्ता**। संजीव गुप्ता ने आमना-सामना कार्यक्रम में **समाचार संपादक दीपक भाटी** के सवालों का बाखूबी ढंग से जवाब दिया। पेश है संजीव गुप्ता के साथ आमना-सामना।

दीपक भाटी- आपका बचपन आर्थिक संघर्षों में बीता। आज आपको देखकर लोग प्रभावित होते हैं। बडी बडी गाडियों में चलते है। आपकी फैक्ट्री ऐसी है कि जैसे किसी फाइव स्टार होटल में आप प्रवेश कर रहे हैं। लेकिन कहते हैं कि आपका बचपन और जवानी काफी संघर्षों से भरी रही और ऐसा क्या चमत्कार किया कि आपने ऐसा मुकाम हासिल कर लिया?

संजीव गुप्ता- आपने सही कहा कि आज का संजीव गुप्ता और समरकूल दिखाई देता है लेकिन इसके पीछे बहुत कठिन परिश्रम, ईमानदारी और मेहनत है। जिन लोगों ने मुझे पिछले बीस-तीस साल से देखा है, उन्हें पता है कि यह ब्रांड कोई ऐसे ही खडा नहीं हो गया है। जो लोग भी इससे जुडे हुए हैं, चाहे वो हमारी आर एंड डी की टीम हो, चाहे शिफ्ट की टीम हो, चाहे हमारे सप्लायर हो, कस्टमर हो, यह सब उनका भरोसा है जो हमारे ब्रांड को मजबूत करता है। उन्हें हम पर विश्वास है कि जो संजीव गुप्ता कहेगा, वो होगा। ऐसा नहीं है कि जो बोल दे और बाद में घुमा दे। जो एक बार हमसे जुडे जाते है वो फिर कभी दिशा नहीं भटकते हैं।

दीपक भाटी- आपके इस संघर्ष में आपके परिवार, भाई और मित्रों का क्या योगदान है?

संजीव गुप्ता- अकेला संजीव गुप्ता कुछ नहीं कर सकता है। इसके पीछे पूरी टीम है। और मैं मेरा भाई, मेरा परिवार, मेरी फोर्स डिस्ट्रब्यूटर्स, डीलर्स, स्टाफ मेरे अभिन्न अंग हैं। मेरे दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। कभी भी कोई भी मेरे पास आ सकता है। सब लोग छोटे भइया, बडे भइया कहकर बुलाते हैं। किसी को भी यह नहीं लगता कि वे एंप्लाई है। सभी को लगता है कि यह उनकी फैक्ट्री है। लोग अपना दिल से और प्रॉडक्ट को चाहते है।

दीपक भाटी- गाजियाबाद में एक गांव है सपनावत, जहां आपकी पैदाइशी हुई है। गांव से निकलकर शहर में आया हुआ एक लडका इतना मुकाम हासिल करेगा, क्या गांव वालों को इस बात पर यकीन होता है? जब आप गांव जाते हैं तो आपकी कहानियां भी बच्चों को सुनाते हैं।

संजीव गुप्ता- बिल्कुल, सपनावत नहीं, हमारा जो क्षेत्र है उसे साठा चौरासी के नाम से जाना जाता है। ठाकुल बाहुल्य क्षेत्र है। और अब तो हमारा गांव काफी बडा हो गया है। वहां कई मंदिरें भी है। माता रानी की कृपा से वहां हमलोगों ने एक मां वैष्णो धाम गुफा वाला मंदिर बनाया है। यह मंदिर काफी भव्य है। जिसकी हमलोग कटरा माता वैष्णो देवी मंदिर से ज्योत लेकर आए थे। वहां कई हजार लोग रोज आते हैं।

दीपक भाटी- होम एप्लायंसेज की दुनिया में समरकूल को एक ताज की तरह लोग सर पर रख रहे हैं। कंपनी कौन- कौन से प्रॉडक्टस के साथ मैदान में है?

संजीव गुप्ता- हमने लोहे के कूलर के साथ इसकी शुरूआत की थी। कूलर के पार्ट्स भी बनाते थे। आज लगभग 150 प्रॉडक्ट्स हैं। इसमें हमारा मेन प्रॉडक्ट तो कूलर है लेकिन हमने होम एप्लायंसेज और किचन एप्लायंसेज जैसे कई साल से लोग हमसे कहते थे कि आप एलईडी टीवी लेकर आओ, हम एलईडी टीवी लेकर आए। लगभग तीन साल पहले। इसकी काफी अच्छी डिमांड है। हम सेमी ऑटोमैटिक वाशिंग मशीन लेकर आए। इसकी भी काफी अच्छी सेल है। इलेक्ट्रिक आयरन, टोस्टर, जूसर समेत लगभग सभी सामान बनाते हैं। सभी प्रोडक्ट्स काफी अच्छे है। वैल्यू फॉर मनी है। बेस्ट प्राइज गुड क्वालिटी। हम लोग आर एंड डी पर विशेष ध्यान रखते है। क्वालिटी पर विशेष जोर रहता है ताकि कस्टमर को प्रॉडक्ट अच्छी मिले और रेट भी वाजिब हो। हमारी होम सर्विसेज भी है। हम कोशिश करते है कि हमारे प्रॉडक्ट की कोई शिकायत न आए।

दीपक भाटी- देश में ऐसे कितने राज्य है, जहां समरकूल के प्रॉडक्ट्स अपनी धूम मचा रहे हैं और आगे की क्या योजनाएं हैं?

संजीव गुप्ता- वैसे तो हमारे कई प्रॉडक्ट्स हिन्दुस्तान के हर राज्य में है। ऐसा कोई राज्य नहीं है, जहां समरकूल के प्रॉडक्ट नहीं हो। लेकिन 70-75 प्रतिशत प्रॉडक्ट की सेल यूपी में है। 13-14 प्रदेश ऐसे हैं, जहां हमारे प्रॉडक्ट्स बिकते है। लेकिन हैं हम पैन इंडिया। जहां भी कम हैं, वहां आने वाले दो तीन साल के अंदर हम बहुत बढिया तरीके से अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। हम सीधे मार्केट पर अटैक नहीं करते हैं, हम पहले मार्केट के आसपास यानि हम पहले जिले में नहीं जाते हैं बल्कि जिले के आसपास कस्बे में फैलाते है। जब वहां बिक्री बढती है तो डिस्ट्रब्यूटर्स खुद पता करते हैं कि समरकूल कहां की कंपनी है। वो हमारे पास आता है और जो एक बार हमारे पास आता है तो वह फिर हमारा बन जाता है।

दीपक भाटी- मार्केट में बहुत ही कंपटीशन है। कई नामी कंपनियां है। कस्टमर आपका प्रॉडक्ट ही खरीदें इसके लिए आप क्या संदेश देंगे? एक ग्राहक आपका प्रॉडक्ट क्यों खरीदें?

संजीव गुप्ता- हमारा प्रॉडक्ट ऐसे बनाया जाता है कि हम ग्राहक की जरूरतों का पूरा ख्याल रखते हैं। जैसे आज कोई हीटर लेने जाता हैं तो वह माइलेज देखता है। आज का कस्टमर बहुत जागरूक है। वह देखता हैं कि इसमें बिजली की खपत कितनी होगी। कई प्रॉडक्ट ऐसे हैं जो सस्ता तो है लेकिन बिजली की खपत ज्यादा होती है। अगर प्रॉडक्ट हो जाता है तो मिस्त्री तीन चार सौ ले लेता है। तो कोई फायदा नहीं होता है लोकल प्रॉडक्ट लेने में।

लेते हुए देखते है तो गाजियाबाद के लोग गौरांवित महसूस करते हैं। आप एक प्रेरणा स्रोत के बनकर उभरे है। आज की डेट में युवा उद्यमी व्यापार के माध्यम से बाजार में आने की तैयारी कर रहे है उनके लिए आप सफलता के क्या मंत्र देना चाहते हैं?

संजीव गुप्ता- मैं करंट क्राइम का धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने मुझे लोगों तक अपनी बातें पहुंचाने का मौका दिया। सभी से यह कहना चाहूंगा कि जिंदगी में कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। अगर किसी चीज में असफल हो जाते हैं तो हम अपना थोडा सा ध्यान लगाएंगे तो हम सफल होंगे। दूसरा, आत्महत्या के बारे में कभी भी नहीं सोचना चाहिए। यह बहुत ही गलत है। तीसरा, ईमानदारी के साथ अगर हम कर्म करेंगे तो थोडे दिन के लिए भले ही परेशानी आ सकती है लेकिन ईमानदारी और मेहनत के बल पर सफलता हासिल हो सकती है। जिंदगी में क्वालिटी के साथ कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। अगर रेट में कॉस्टिंग नहीं आ रही है तो रेट बढाएं लेकिन क्वालिटी में कोई समझौता ना करें। हमें खाली सर्विस के बारे में नहीं सोच कर खुद का उद्योग लगाना चाहिए और दूसरों को भी रोजगार देना चाहिए। आप एक सफल उद्यमी तभी बन सकते हैं जब आप अपनी बात पर खडा उतरेंगे। और हमेशा मीठा बोले, ज्यादा गुस्से में ना बोले। अगर आपको लगता है कि जाने अनजाने में आपसे कोई गलती हो गई है तो उस पर सॉरी बोल देना चाहिए। इससे कोई छोटा बडा नहीं होता है, ऐसा मेरा मानना है।

कहते हैं बंद मुट्ठी में मजबूती बहुत रहती है : संजीव गुप्ता

दीपक भाटी- आज के युग में जहां एक भाई दूसरे भाई से अलग होकर अपना खुद का कारोबार शुरू करता है। द्वेष हो जाता है लेकिन हम देखते है कि आपके परिवार के सारे बच्चे एक साथ मिलकर कारोबार संभाल रहे है। यह कैसे संभाल कर रखी हैं आपने?

संजीव गुप्ता- कहते है कि मुट्ठी अगर बंद करके रखी है आपने तो उसमें मजबूती बहुत रहती है। ऐसे कई परिवार देखे हैं जिनका काम बहुत अच्छा था लेकिन भाई अलग-अलग हो गए और काम बिगड गया। मैं तो यही चाहता हूं कि किसी की नजर ना लगे और जैसे हम लोग चल रहे हैं वैसे ही लोग आपस में एक दूसरे भाई का ख्याल रखे। भाई से बढकर और कोई नहीं है। भाई से बडा और कोई हो नहीं सकता है।

इंसान है। वे हमारे लिए ही नहीं, करोडों लोगों के फैन है। यूपी ही नहीं, पूरे हिन्दुस्तान में उनके चाहने वाले है। वे नेता नहीं, लोगों के लिए भाई और दोस्त है।

दीपक भाटी- नए महानगर अध्यक्ष के लिए दो शब्द?

संजीव गुप्ता- मयंक गोयल जी राजनीतिक परिवार से है। मेरी तरह संघ पृष्ठभूमि से है। उनकी माताजी यहां की मेयर थी। राजनीति के गुण उन्हें अपनी माताजी से मिले है। बहुत अच्छा काम करेंगे, ऐसी उम्मीद है।

दीपक भाटी- क्या आप प्रयास कर रहे हैं कि मयंक गोयल की टीम में आप उनके साथ खेलेंगे?

संजीव गुप्ता- अगर वे चाहेंगे तो अवश्य ही उनके साथ रहेंगे। मैं तीन तीन साल तक दो बार लघु उद्योग प्रकोष्ठ में रहा। दो बार व्यापार प्रकोष्ठ में रहा। दो तीन बार से मैं कोषाध्यक्ष हूं। आगे भी जो पार्टी चाहेगी, तो रहूंगा।

दीपक भाटी- गाजियाबाद में तमाम चुनाव आते हैं। मेयर, विधायक और सांसद का। उसमें संजीव गुप्ता का नाम दौडने लगता है। बताया जाता है कि पैनेल में भी चला जाता है। चुनाव वाली राजनीति में आप दिखाई तो देते हो लेकिन पोस्टर फांडकर हीरो बाहर आएगा, यह वाला सीन कब दिखाई देगा?

संजीव गुप्ता- इतने करोडों लोग गाजियाबाद में है। लोगों का प्यार है कि वे कहते है आप भरो। आप बहुत अच्छी सेवा कर सकते हो। अभी जो सेवा करते हो वो अपने पास के संसाधनों से करते हो। जब कुछ बन जाओगे तो और भी बेहतर तरीके से सेवा कर सकते हो। तो मेरा मानना है कि अगर कुछ जिम्मेदारी मिलती है, अगर संगठन चाहेगा तो मैं पोस्टर फांडकर बाहर भी आ सकता हूं। नहीं तो, जैसी सेवा कर रहा हूं, वैसी सेवा करता रहूंगा।

दीपक भाटी- राजनीति में अपना प्रेरणास्रोत किसे मानते हैं आप?

संजीव गुप्ता- मैं तो नीरज भैया को ही मानते है।

दीपक भाटी- नीरज जी से आपका इतना लगाव और प्रेम है कि आप उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानते है?

संजीव गुप्ता- हां, वे मेरे अभिभावक भी है। जिंदगी में कई बार कठिनाई आई तो उन्होंने मुझे सपोर्ट किया।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद जी ने हमें पुरस्कृत किया : संजीव गुप्ता

दीपक भाटी- आपका नामी प्रॉडक्ट आजकल घर-घर में हैं। सरकार मेक इन इंडिया की बात करती है। आप मेक इन इंडिया को कितना फोलो करते हैं? आपके प्रॉडक्ट में कितना मेक इन इंडिया नजर आता है?

संजीव गुप्ता- हमारा प्रॉडक्ट्स सौ फीसदी मेक इन इंडिया है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार उद्योग जगत के लिए बहुत अच्छा काम कर रही है। अभी योगी सरकार की बहुत अच्छी स्कीम आई थी, जिसमें हमें भी लखनउ बुलाया गया था। 2021 में हमने एक करार किया था। करार करने के बाद वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट पर हमने वादा निभाया। हमने जगह तो ले ली थी लेकिन हमारे पास पैसे नहीं थे काम करने के लिए। तो सरकार ने सबके एक उद्यमी मित्र बनाया। हमसे पूछा गया कि आपने करार किया लेकिन काम शुरू नहीं किया तो हमने बताया कि हमारे पास पैसे नहीं है तो उन्होंने सरकार को प्रस्ताव भेजा। माननीय योगी जी जब गाजियाबाद आए थे तो उन्होंने हमारी दोनों यूनिट को 30-30 करोड दिए थे। उसके बाद, हमने अपनी आर एंड डी की टीम को और मजबूत किया। फिर हमें हिन्दुस्तान का कूलर का पहला आईएसआई सर्टिफिकेट मिला। लखनउ बुलाया गया। क्वालिटी के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड, राज्पाल आनंदी बेन पटेल ने मुख्यमंत्री की मौजूदगी में पुरस्कार दिया गया। इसके बाद पूर्व राष्ट्रपति कोविद जी ने हजारों व्यापारियों के समक्ष हमने पुरस्कृत किया गया।

मेरा लक्ष्य था समाज और परिवार को अपने दम पर कुछ करके दिखाना : संजीव गुप्ता

दीपक भाटी- हलवाई की दुकान पर काम करने वाला एक लडका, परचून की दुकान पर सामान देने वाला लडका, क्या वह उसी समय सपना पाल चुका था कि एक दिन हजारों करोड रुपए की कंपनी का मालिक बनेगा?

संजीव गुप्ता- मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। लोग चिढाते थे। हमारे दादा कहते थे कि यह जिंदगी में कुछ कर नहीं पाएगा, लेकिन इसके पीछे राज कुछ और था। वे चाहते थे कि मैं इसे ऐसा कर दूं कि इसके अंदर जोश आ जाए और वह जोश मेरे अंदर काम कर गया और यह भावना बस गई कि मुझे कुछ ना कुछ करना है। चूंकि हमें उस समय पैसे भी नहीं मिलते थे। 25 पैसे या 50 पैसे मिलते थे जेब खर्च के। उस समय इससे कुछ होता भी नहीं था। मन में ये था कि अपने पैरों पर खडा होना है और अपने दम पर कुछ करके समाज को और परिवार को दिखाना है। ऐसा नहीं है कि हमारे परिवार में कुछ नहीं था, या वे प्यार नहीं करते थे, वे ये चाहते थे कि इसके अंदर जोश आ जाए और उपर वाले ने मुझे गाजियाबाद भेजा। यहां मेरे मामाजी रहते थे। यहां आकर उनसे काम सीखा। और फिर मैं आगे बढता गया।

दीपक भाटी- आप अपने प्रॉडक्ट्स की ब्रांडिंग का बहुत ख्याल रखते हैं। पिछले दिनों सिकंदर फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान आपके प्रॉडक्ट्स का प्रचार करते हुए दिखे। कई फिल्म स्टार आपके प्रॉडक्ट्स का प्रमोशन करते दिखते है। क्या है मार्केटिंग पॉलिसी है?

संजीव गुप्ता- जो दिखता है वो बिकता है। इसलिए प्रॉडक्ट तो बढिया होना ही चाहिए, साथ में प्रचार प्रसार होना चाहिए वरना तो हम गाजियाबाद के ही होकर रह जाते। अगर हमें हिन्दुस्तान में फैलना है और हिन्दुस्तान के बाहर भी जाना है तो हमें थोडा सा प्रचार प्रसार करना ही पडेगा। मैंने देखा है कि जो दूसरे ब्रांड भी प्रचार के लिए क्या-क्या कर रहे हैं। जो प्रॉडक्ट हम 3000 रु में दे रहे हैं, दूसरे उसे 6000 में दे रहे हैं। क्वालिटी लगभग सेम है। वो होम सर्विस देते हैं। दो तीन साल से हम भी होम सर्विस में आ गए। मैंने देखा कि उनकी ब्रांडिंग, मार्केटिंग हमसे अच्छी थी। हमने भी अपनी ब्रांडिंग मजबूत की। हमने सिकंदर फिल्म ही नहीं, पहले भी कई फिल्मों में प्रमोशन किया है। आगे भी करते रहेंगे।

दीपक भाटी- गाजियाबाद के लोग जब मंचों पर आपको पुरस्कार

दीपक भाटी- आप व्यावसायिक जगत के हीरो है और राजनीति में भी दावं पेंच आजमाते रहते हैं। आप भाजपा में डेढ दशक से महानगर कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कही गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में आपका नाम न आ जाए। कोष से इतना प्रेम हो गया है कि यहां भी कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी?

संजीव गुप्ता- हम लोग संघ की पृष्ठभूमि से हैं। बचपन से ही संघ की शाखाओं में जाना आना लगा रहता था। उसके अलावा जब माननीय राजनाथ सिंह जब 2008 में यहां से चुनाव लडे थे, अशोक मोंगा जी यहां के महानगर अध्यक्ष हुआ करते थे, तब वे हमें राजनीति में ले आए थे। 2008 का चुनाव हुआ तो नीरज भैया की सभी बैठकें समरकूल फैक्ट्री में हुई थी। नीरज भैया आज भी मानते हैं कि हमारी शुरूआत समरकूल फैक्ट्री से हुई थी। मैं आभार व्यक्त करता हूं कि नीरज भैया, पंकज भैया यह बात नहीं भुले। हमारे लिए उनका आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

दीपक भाटी- नीरज सिंह के लिए आपका प्यार इतना क्यों उभरता है?

संजीव गुप्ता- हम उनका परिवार है। वे बहुत ही अच्छे नेक दिल

मैं अपने आप से संतुष्ट हूं, मुझे पद की कोई लालसा नहीं : संजीव गुप्ता

दीपक भाटी- ऐसे बहुत कम लोग होते है जो तारणहार या संकटमोचक की भूमिका निभाते हैं?

संजीव गुप्ता- वे मुझे ही नहीं, जो भी उनके साथ दिल से जुडा हुआ है और उसे अगर कभी भी किसी मोड पर कोई दिक्कत आती है तो वे उन्हें जरूर सुनते है।

दीपक भाटी- आपने काफी समय से भाजपा की राजनीति की है और आपकी पृष्ठभूमि भी संघ से है। लेकिन उस हिसाब से आपको अभीतक मुकाम नहीं मिला?

संजीव गुप्ता- मैं अपने आप से संतुष्ट हूं। मुझे कुछ मिलेगा तब भी ठीक, मुझे पद की कोई लालसा नहीं है लेकिन यह पार्टी ही ऐसी है कि एक चाय वाला प्रधानमंत्री बन सकता है तो एक कूलरवाला भी किसी दिन कुछ बन सकता है।

दीपक भाटी- उम्मीद करते है कि कूलरवाला एक दिन गाजियाबाद के मेयर बने, विधायक बने, ऐसा हम भी चाहते हैं, आपके समर्थक भी चाहते है। आपने करंट क्राइम से बात की, इसके लिए आपका धन्यवाद।

संजीव गुप्ता- धन्यवाद

सभी थानेदारों को समझना होगा कमिश्नर जे रविंदर गौड की कार्रवाई का पैटर्न

क्या लूट की घटना पर छीन रहे हैं चार्ज

15 दिन में लूट के मामलों के बाद हटाए गए तीन कोतवाल

गाजियाबाद ,करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बीते 15 दिनों के दौरान लूट की वारदात को रोकने में नाकाम तीन कोतवालों को लाइन का रास्ता दिखाया गया है। इसमें दो कोतवाल ग्रामीण जोन के रहे हैं, तो एक नदिया पार का। अब देखना होगा पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में किस जोन में अगला विकेट गिरता है और कौन कोतवाल लाइन भेजा जाता है। वैसे पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि बीते 15 दिनों में पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड द्वारा तीन थाना प्रभारियों को इस दौरान लाइन का रास्ता भी दिखाया गया है। जिसमें मोदीनगर के थाना प्रभारी प्रशांत त्यागी, तो निवाड़ी थाने के प्रभु दयाल और अब टीलामोड थानाध्यक्ष करतार सिंह को लाइन का रास्ता दिखाया गया है। बताया जा रहा है तीनों ही थानाक्षेत्रों में लूट की वारदात हुई थी और एसएचओ-एसओ की वर्किंग को लेकर भी सवाल उठे थे।

थानाध्यक्ष टीलामोड़ किए गए लाइन हाजिर

करंट क्राइम : सोमवार को पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में ट्रांस हिंडन जोन के अंतर्गत टीलामोड़ थाने के थानाध्यक्ष करतार सिंह को लाइन हाजिर किया गया है। तो वही इंदिरापुरम थाने में तैनात उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह को थानाध्यक्ष टीलामोड़ बनाया गया है। बताया जा रहा है बीते दिनों टीलामोड़ थानाक्षेत्र में स्टांप विक्रेता से 15 लाख रुपए की लूट हुई थी। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। दो बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़ हुई थी और बड़ी संख्या में रिकवरी करने के साथ ही स्कॉर्पियो कार भी बरामद की गई थी। बावजूद इसके थानाध्यक्ष को हटाना बता रहा है, की लूट के मामले में लापरवाही के बाद यह एक्शन लिया गया है।

हो रहा है सवाल अगला नंबर किसका

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में लगातार लूट की वारदात रोकने में नाकाम थाना प्रभारियों पर कार्रवाई हो रही है। तो वहीं सोमवार को जिस तरीके से सिटी जोन अंतर्गत आने वाले कवि नगर थानाक्षेत्र में सरेराह लूट की वारदात हुई है, इसको लेकर देखना होगा अधिकारियों का रुख क्या रहता है। वैसे कवि नगर वाली घटना के बाद जिस तरीके से सभी अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं, उससे एक अलग संदेश देने का भी काम किया गया है। वहीं बताया जा रहा है कि कई टीमें लगी हुई हैं।

कांवड़ यात्रा से पहले अचानक फिर बढ़ गया क्राइम का ग्राफ

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में एक बार फिर कांवड़ यात्रा से पहले क्राइम का ग्राफ बढ़ना शुरू हो गया है। निवाड़ी मोदीनगर क्षेत्र में जहां भाजपा चेयरमैन के यहां लूट हुई थी। तो वही टीलामोड़ थानाक्षेत्र में स्टांप विक्रेता से भी लूट की बड़ी वारदात हुई। इसके साथ ही कवि नगर थानाक्षेत्र में स्कूटी सवार मुनीम से बदमाशों ने हथियारों के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया है, जो बता रहा है कि इस बार फिर से कांवड़ यात्रा की शुरुआत से काफी पहले ही फिर कमिश्नरेट वाले सिस्टम में क्राइम का ग्राफ बढ़ रहा है।

संपादकीय

लापरवाही की परत दर परत

इन सभी घटनाओं ने हवाई यात्रा की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या उड़ान परिचालन के नियमों और दिशा-निर्देशों में कहीं कोई खामी है या फिर इनका पालन करने में कोताही बरती जा रही है?

अहमदाबाद में पिछले सप्ताह एअर इंडिया का एक विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसके बाद बीते रविवार को केदारनाथ के पास श्रद्धालुओं को लेकर आ रहा हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक बच्ची समेत सात लोगों की मौत हो गई। उसी दिन 242 हज यात्रियों को लेकर जेद्दा से लखनऊ पहुंचे सऊदी एअरलाइंस के एक विमान के उतरते समय उसके पहियों से धुआं निकलने की घटना हुई। सोमवार को दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के एक विमान को तकनीकी खराबी के कारण वापस हांगकांग जाना पड़ा। इन सभी घटनाओं ने हवाई यात्रा की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या उड़ान परिचालन के नियमों और दिशा-निर्देशों में कहीं कोई खामी है या फिर इनका पालन करने में कोताही बरती जा रही है? इस तरह के हादसों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार से लेकर विमानन कंपनियों की ओर से धरातल पर पुख्ता बंदोबस्त क्यों नहीं किए गए हैं?

हादसे ने सवालों को बना दिया है और गंभीर उत्तराखंड में केदारनाथ के पास गौरीकुंड में हुए हेलिकाप्टर हादसे ने इन सवालों को और गंभीर बना दिया है। इस हेलिकाप्टर का संचालन कर रही कंपनी पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। पुलिस में दर्ज मामले में कहा गया है कि हेलिकाप्टर के संचालन के लिए सुबह छह से सात बजे तक का प्रथम स्लाट आबंटित किया गया था, जबकि यह दुर्घटना उससे पहले ही सुबह साढ़े पांच बजे हुई है। अगर यह दावा सही है, तो साफ है कि हेलिकाप्टर ने तय समय से पहले ही उड़ान भर ली थी। उस दिन सुबह से ही धुंध छाई हुई थी और उड़ान भरने से पहले मौसम की स्थिति को ठीक से नहीं जांचा गया। कोई दोराय नहीं है कि चारधाम यात्रा के लिए हेलिकाप्टर सेवाएं श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक हैं। खासकर बच्चों व बुजुर्गों को, जिनके लिए यह यात्रा मुश्किल भरी होती है। मगर, हवाई यात्रा को सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी राज्य व केंद्र सरकार पर भी है। राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे के बाद कहा कि चारधाम में सेवा दे रहे पायलटों के हिमालयी क्षेत्रों में उड़ान अनुभवों की जांच होगी। लगातार हो रही घटनाएं मगर, सवाल यह है कि कोई बड़ा हादसा होने से पहले ही एहतियाती तौर पर इस तरह के इंतजाम क्यों नहीं किए जाते। इस साल चारधाम मार्ग पर हादसे या हेलिकाप्टर को आपात स्थिति में उतारने की यह पांचवीं घटना है। इससे पहले आठ मई को उत्तरकाशी के गंगनानी में निजी कंपनी का हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी। वर्तमान समय की सबसे प्रमुख पर्यावरणीय चिंताओं में से एक ओजोन परत का क्षरण ऐसी ही एक भयावह घटना रविवार को महाराष्ट्र के पुणे में हुई, जहां इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का एक पुल ढह गया।

यूआरएल क्लोकिंग, नकली केवाईसी व शैल कंपनियों से कमाए 800 करोड़

खच्चर खातों की मदद से निवेशकों का फंड गोल

नई दिल्ली। निवेशकों को उच्च रिटर्न देने का झूठा वादा किया। वेबसाइट का यूआरएल छिपाया यानी 'यूआरएल क्लोकिंग' का सहारा लिया। उसके बाद नकली केवाईसी किया। धन को घुमाने के लिए शैल कंपनियां खोली और खच्चर खातों की मदद से निवेशकों का फंड गोल कर दिया। जब भी कोई निवेशक पूछता, उन्हें कहा जाता कि उनका फंड अच्छी जगह लगा है, बड़ा रिटर्न मिलेगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई जोनल कार्यालय ने इस मामले का खुलासा किया है।

पिछले सप्ताह जांच एजेंसी ने मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और गुड़गांव में सात स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत छापेमारी की थी। तलाशी की कार्रवाई के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस पाए गए। उन्हें जब्त कर लिया गया। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरों जैसे ऑक्टाएफएक्स ट्रेडिंग ऐप और वेबसाइट www.octafx.com के माध्यम से अवैध ऑनलाइन विदेशी मुद्रा व्यापार के मामले में जांच की जा रही है। ईडी के मुताबिक, ऑक्टाएफएक्स फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के जरिए उच्च रिटर्न के झूठे वादे के साथ निवेशकों को ठगने के आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ शिवाजी नगर पीएस, पुणे द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की गई थी।

ईडी की जांच से पता चला कि ऑक्टाएफएक्स, मेसर्स ऑक्टाएफएक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में, आरबीआई की अनुमति के बिना भारत में काम कर रहा था।

उन्होंने फॉरेक्स ट्रेडिंग की आड़ में निवेशकों को धोखा दिया। एक साल से भी कम समय में 800 करोड़ रुपये से अधिक कमाए। ईडी की तलाशी से पता चला है कि ऑक्टाएफएक्स ने निवेशकों के फंड को खच्चर खातों के माध्यम से अनधिकृत भुगतान एग्रीगेटर डाइनेरो पेमेंट सर्विसेज के एस्क्रो खातों में भेजा। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के रूप में प्रस्तुत होने वाली शेल फर्मों को भुगतान गेटवे तक पहुंचने और पहचान से बचने के लिए नकली केवाईसी का उपयोग करके शामिल किया गया था। निवेशकों के फंड को ऑनलाइन खरीदारी के रूप में प्रच्छन्न किया गया। उसे कई खातों के माध्यम से स्तरित किया गया। अंततः उनके मूल को अस्पष्ट करने के लिए नकली विदेशी मुद्रा या सट्टेबाजी भुगतान के रूप में वितरित किया गया। यह भी पता चला कि लगभग 50% उपयोगकर्ता फंड ऑक्टाएफएक्स प्लेटफॉर्म से खच्चर भुगतान खातों में डायवर्ट किए गए थे।

इन खातों का उपयोग ई-कॉमर्स रिफंड, चार्जबैक, विक्रेता भुगतान आदि के झूठे बहाने के तहत धन वितरित करने के लिए किया गया था, जिससे धन के वास्तविक प्रवाह और उद्देश्य को प्रभावी ढंग से छुपाया गया। OctaFXने भुगतान गेटवे की पहचान छिपाने और विनियामक पहचान से बचने के लिए यूआरएल मास्किंग तकनीकों का उपयोग किया। उपयोगकर्ताओं को स्पष्ट रूप से पहचाने जाने योग्य भुगतान लिंक पर निर्देशित करने के बजाय, उन्होंने भ्रामक या सामान्य यूआरएल का उपयोग किया।

2010 से भारत के निर्यात में जबरदस्त उछाल
200 कोयला ब्लॉक का आवंटन पूरा

भारत के निर्यात में लगातार आ रहा उछाल

भारत के निर्यात में लगातार उछाल आ रहा है। साल 2010 से 2023 के बीच भारत के निर्यात में अच्छी खासी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वटउळअऊ की एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक निर्यात में भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश है और भारत की विकास दर 6.3 प्रतिशत रही है। यूरोपीय संघ, चीन और अमेरिका के निर्यात की विकास दर क्रमशः 3.9 प्रतिशत, 6.1 प्रतिशत और 3.9 प्रतिशत रही। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रंखला में भारत की भूमिका बढ़ी है। साल 2009-10 में भारत का कुल निर्यात 274.8 अरब डॉलर रहा था। वहीं साल 2022-23 में यह बढ़कर 776.3 अरब डॉलर और 2024-25 में यह 825 अरब डॉलर रहा।

नई दिल्ली। मंगलवार को कोयला मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने अब तक 200 कोयला ब्लॉक का आवंटन कर दिया। सरकार ने सेक्टर सुधार की भी पुष्टि की। बयान में कहा कि मध्य प्रदेश के मरवाटोला-2 कोयला ब्लॉक को सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित किया गया। सरकार सेक्टर सुधार, निजी क्षेत्र की भागीदारी और कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने साल 2020 में नीलामी प्रक्रिया की शुरूआत की थी, जिसमें 41 ब्लॉक का आवंटन किया गया। इसके साथ ही कोयला खनन क्षेत्र में निजी क्षेत्र के लिए रास्ते खुले।

श्रीलंका ने फ्रांस के साथ की ऋण पुनर्गठन की डील श्रीलंका ने फ्रांस के साथ ऋण पुनर्गठन समझौता किया है। यह ऋण 39 करोड़ यूरो का है। श्रीलंका के वित्त मंत्रालय ने इसे देश की आर्थिक दृष्टि से मील का पत्थर समझौता बताया। समझौते पर सोमवार को हस्ताक्षर हुए। फ्रांस, श्रीलंका का चौथा सबसे बड़ा सार्वजनिक ऋणदाता है। बारिक सोने की खदान पर माली का कब्जा माली के एक जज ने सोमवार को कनाडा के मालिकाना हक वाली बारिक सोने की खदान पर नियंत्रण का आदेश दिया।

तेल की कीमत से व्यापार मार्ग तक, पश्चिम एशिया में संघर्ष का भारत पर क्या और कितना असर?

नई दिल्ली। भारत ने पश्चिम एशिया में उभरी स्थिति के मद्देनजर अब तक कौन से कदम उठाए हैं? इस संघर्ष के पूर्णतः युद्ध का रूप लेने से भारत पर क्या-क्या असर हो सकता है? किन क्षेत्रों पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ेगा? इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष अब पांचवें दिन पर पहुंच चुका है। दोनों ही देशों ने एक-दूसरे के ऊपर जबरदस्त हमले किए हैं। जहां इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों से लेकर सैन्य अफसरों तक को एयरस्ट्राइक में निशाना बनाया, वहीं ईरानी सेना की तरफ से बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए इस्राइल पर कहर बरपाया गया है। अब तक की जानकारी के मुताबिक, इस्राइल में 24 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। वहीं, ईरान में 220 लोगों की जान जाने की खबर है। इस पूरे घटनाक्रम पर भारत ने करीब से नजर रखी है। ईरान में फंसे अपने छात्रों को आर्मेनिया के रास्ते निकालने के बाद अब विदेश मंत्रालय ने तेहरान में रह रहे भारतीयों को शहर से बाहर किसी सुरक्षित स्थान पर रुकने को कहा है। इस बीच अमेरिका के भी इस जंग में कूदने की खबरें हैं।

अदालती प्रतिबंध के बीच सफर के लिए खुद पार्सल बन रही जनता

नई दिल्ली। कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश पर राज्यभर में बाइक टैक्सियों पर प्रतिबंध आज से लागू हो गए। कानूनी खामियों के आधार पर अदालत ने प्रतिबंध तो लगा दिया, लेकिन अब लोगों की आजीविका पर असर पड़ने का खतरा है। बाइक चलाकर कमाई करने वाले लोगों ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया नीत कांग्रेस सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य में बाइक टैक्सी पर प्रतिबंध लगा रखा है। अदालत की सख्ती के बीच दो पहिया वाहनों से सफर करने का विकल्प चुनने वाले लोगों ने अनोखा रास्ता निकाला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म- एक्स पर यूजर्स सरकार की सख्ती को लेकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बाइक चलाकर जीवन-यापन कर रहे राइडर्स ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से हस्तक्षेप करने की अपील की है।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं, भाजपा सांसद ने पूछा तीखा सवाल

एक एक्स यूजर जय वसंत ने कहा, कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के बाद रैपिडो यूजर्स को पार्सल बनकर यात्रा करने का ऑफर दे रहा है। इस मामले में बंगलूरू दक्षिण से निर्वाचित भाजपा सांसद पीसी मोहन ने कहा, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बाइक टैक्सियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके बावजूद एग्रीगेटर 'बाइक पार्सल' की आड़ में काम कर रहे हैं। कानून का ऐसा उल्लंघन होने पर नागरिक सिर्फ पार्सल बनकर रह गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या एग्रीगेटर कानून से ऊपर हैं? उन्होंने सिलसिलेवार कई एक्स पोस्ट किए और प्रदेश की कांग्रेस सरकार से तीखे सवाल किए।

रोचक तथ्यों का करंट

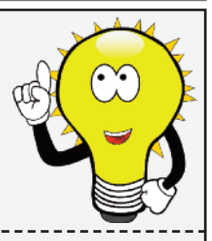

- सबसे पुराना रेडिओ प्रसारण 1930 में हुआ जो अब 100,000 तारों को पार कर चूका होंगा।
- लाइट की गति से भी हमे अपने पास वाली गैलेक्सी एंड्रोमेडा में जाने के लिए 2 मिलियन वर्ष लगेंगे।
- 2000 किलोमीटर दूर ग्रेड बैरियर रीफ धरती की सबसे बड़ी जीवित संरचना है।
- दुनिया में समुद्र में सबसे ज्यादा गहराई मरिआना ट्रेंच में है जो पेसिफिक समुद्र में है। इसकी गहराई 35,797 फीट है।
- धरती से किसी उल्कापिंड के टकराने का खतरा 9300 में से एक बार होता है। न्यूक्लीयर रिएक्टरों को ठंडा किया जाए तो सुक्ष्म जिव भी संघर्ष कर सकते है।
- पुरुष में 1000 स्पर्म एक सेकंड में बनते है।
- एक तूफान में 8000 मेगाटन बम के निर्माण जितनी उर्जा होती है।
- सूर्य द्वारा छोड़े गए 800 अरब से ज्यादा न्यूट्रॉन आपके शरीर में से गुजर गये होंगे जब तक आपने यह वाक्य पढ़ा होगा।
- सहारा रेगिस्तान दुनिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान है जो 3500,000 २०. माइल्स में फैला है।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

बंता ने पास में खड़े संता से पूछा -
अरे भाई ये कौन सा स्टेशन है?
संता हंसा, और हंसा, जोर जोर से हंसा, हंस हंस के लोट पोट हो गया।
और बड़ी मुश्किल से अपने आप को सम्भालते हुऐ बोला - 'पगले ये रेलवे स्टेशन है'।

चिंटू एक बार डबल डेकर वाली बस में चढ़ गया...
कंडक्टर ने उसे ऊपर भेज दिया,
चिंटू थोड़ी देर में भागता हुआ वापस आया और बोला- भाई मरवाएगा क्या ऊपर तो ड्राइवर ही नहीं है।

संता- डॉक्टर साहब क्या आप मेरी बीमारी का पता लगा सकते हैं?
डॉक्टर- हां, तुम्हारी आंखें बहुत कमजोर हैं।
संता- इतनी जल्दी आपको कैसे पता चला?
डॉक्टर- तुमने बाहर बोर्ड पर नहीं पढ़ा कि मैं जानवरों का डॉक्टर हूं।

18 06 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

अरविंद स्वामी
अभिनेता

किट्टू

भक्ति सिंह

अंशिका चौधरी

तरूण शर्मा

मोहित कौशिक

बलराज सिंह

अनुराग नागर

महिपाल सिंह

नरेश बबली

ब्रज गौतम

मोहित सैन

नरेंद्र बैंसला

वीरेन्द्र सिंह

अनुराग शर्मा

भीम त्यागी

आकाश चौहान

अमिताभ कुमार

त्रिदेव चौधरी

महेंद्र सिंह

छबिला कुमार मेहेर

मौहन लाल गौर

सुनील दत्त

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

शुभमन की टीम के सामने तीन विदेशी दौरे

द. अफ्रीका-ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का रास्ता कठिन

नई दिल्ली। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र के समापन के साथ ही अब नए चक्र को लेकर बातें होनी शुरू हो गई हैं। इस चक्र को दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अपने नाम किया। तेम्बा बावुमा की टीम ने गत विजेता ऑस्ट्रेलिया को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। अब नए चक्र की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसकी शुरूआत 17 जून से हो जाएगी, जब श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमें भिड़ेंगी। वहीं, टीम इंडिया 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ नए टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरूआत करेगी। यह डब्ल्यूटीसी का चौथा संस्करण होगा। इस दौरान अगले दो साल में नौ टीमों के बीच कुल 71 टेस्ट मैच खेले जाएंगे। इस चक्र में कई टीमें बदलाव के दौर से गुजरेंगी और एक नई शुरूआत करना चाहेगी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र में सबसे ज्यादा 22 टेस्ट मैच खेलेगी। वहीं, इंग्लैंड की टीम 21 मैच खेलेगी। इसके बाद 18 मैचों के साथ भारत तीसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड को 16 और दक्षिण अफ्रीका-वेस्टइंडीज को 14-14 टेस्ट खेलने हैं। पाकिस्तान की टीम 13 और श्रीलंका-बांग्लादेश को 12-12 टेस्ट खेलने हैं। 2025-27 चक्र में प्रतिस्पर्धा करने वाले नौ देशों के बीच खेली जाने वाली 27 टेस्ट सीरीज में से 17 सीरीज में केवल दो मैच होंगे, जबकि तीन मैचों की छह सीरीज होंगी।

श्रीलंका, बांग्लादेश, भारत और इंग्लैंड के अलावा ऑस्ट्रेलियाई टीम इस चक्र में अपने अभियान की शुरूआत वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से करेगी। इसकी शुरूआत 25 जून से होने जा रही है। वहीं, चैंपियन दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने 2025-27 डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरूआत पाकिस्तान के खिलाफ अक्तूबर में दो मैचों की टेस्ट सीरीज से करेगी। कम टेस्ट मैच होने की वजह से दक्षिण अफ्रीका के दो टेस्ट सीरीज के बीच काफी गैप है।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरूआत 20 जून से होने जा रही है। इस सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 जुलाई से खेला जाएगा। इसके बाद टीम इंडिया घर पर वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की सीरीज खेलेगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट दो अक्तूबर से और दूसरा टेस्ट 10 अक्तूबर से खेला जाएगा। फिर भारतीय टीम घर पर ही दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी।

बदलाव के दौर से गुजर रही कई टीमें

इसमें टीम इंडिया भी शामिल है, जो नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में इस चक्र में उतरेगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद से भारतीय टीम बदलाव के दौर में है। वहीं, इंग्लैंड की टीम के लिए भी जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड के बिना सफर आसान नहीं होगा। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को भी इस बार कठिन चुनौतियां मिली हैं और उनके लिए स्थिर बने रहना बड़ी चुनौती होगी। वहीं, पाकिस्तान को एक बार फिर आसान विदेशी दौरे मिले हैं, लेकिन उनके लिए इससे पार पाना बड़ी चुनौती होगी। पाकिस्तान की टीम 2023-25 डब्ल्यूटीसी चक्र में आखिरी यानी नौवें स्थान पर रही थी।

भारतीय महिला हॉकी टीम के सामने होगी अर्जेंटीना की कठिन चुनौती, प्रो लीग में वापसी पर होंगी नजरें

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की शुरूआत एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में अच्छी नहीं रही थी और उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों में हार का सामना करना पडा था। अब भारतीय टीम का सामना दुनिया के दूसरे नंबर की टीम अर्जेंटीना से होगा और सलीमा टेटे की अगुआई वाली टीम इस मजबूत चुनौती का सामना करेगी। टीम के पास हालांकि, खुद को संगठिन करने के लिए समय काफी कम है।

अर्जेंटीना ने अब तक अपने 12 लीग मैच में से सात जीते हैं। नौ अंक के साथ सातवें स्थान पर चल रहे भारत की नजरें वापसी पर टिकी हैं। अर्जेंटीना तालिका में दूसरे स्थान पर है और वह शीर्ष पर चल रहे नीदरलैंड पर दबाव बनाए रखने के लिए पूरे अंक हासिल करने की कोशिश करेगा। भारत अपना पहला मैच मंगलवार को अर्जेंटीना के खिलाफ खेलेगा और उसके एक दिन बाद दूसरा मैच खेलेगा। मैच से पहले सलीमा ने कहा, अर्जेंटीना दुनिया की दूसरे नंबर की टीम है और उसने अब तक अपने 12 एफआईएच प्रो लीग मैच में से सात जीते हैं।

लीग के इस चरण में आने से पहले हम जानते थे कि उन्हें हराना आसान नहीं होगा। लेकिन हम बिना लड़े हार नहीं मानेंगे। हम दोनों मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। टीम उनसे मुकाबला करने के लिए अच्छी तरह से ट्रेनिंग कर रही है और उनके खिलाफ महत्वपूर्ण अंक हासिल करने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर काम कर रही है। उपकप्तान नवनीत कौर ने कहा, जैसा कि आपने देखा टीम ने पिछले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी है और हम अर्जेंटीना के खिलाफ भी ऐसा ही करने की योजना बना रहे हैं। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और जीत हासिल करने का लक्ष्य रखेंगे। अर्जेंटीना के खिलाफ जीत से ना केवल हमें अंक हासिल करने में मदद मिलेगी बल्कि इससे टीम का मनोबल भी बढ़ेगा क्योंकि हम एंटवर्प और फिर बर्लिन में बेल्जियम और चीन के खिलाफ मैच खेलेंगे।

रोमांच का फुल डोज! नीदरलैंड और नेपाल के बीच तीन सुपर ओवर में आया मैच का फैसला, बना नया रिकॉर्ड

नीदरलैंड। नीदरलैंड ने ग्लास्गो में टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के मैच में नेपाल को तीसरे सुपर ओवर में हरा कर नया रिकॉर्ड बनाया। टी20 या लिस्ट ए क्रिकेट के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब किसी मैच का परिणाम तीसरे सुपर ओवर में निकला। इस मैच में रोमांच की सारी हदें पार हो गईं। फैंस दांतों तले अंगुली दबाते हुए मैच देखते रहे। मेजबान स्कॉटलैंड इस टी20 त्रिकोणीय सीरीज की तीसरी टीम है।

नेपाल के नंदन यादव ने इस तरह पलटा मैच

सोमवार की रात को खेले गए इस मैच में तीसरे सुपर ओवर में माइकल लेविट ने छक्का लगाकर आखिर में नीदरलैंड को जीत दिलाई। नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 152 रन बनाए। एक समय उसकी जीत सुनिश्चित लग रही थी क्योंकि नेपाल को आखिरी ओवर में 16 रन चाहिए थे। नेपाल के निचले क्रम के बल्लेबाज नंदन यादव ने हालांकि अंतिम ओवर में दो चौके लगाए। उन्होंने आखिरी गेंद पर भी चौका लगाया जिससे नेपाल आठ विकेट पर 152 रन बनाकर स्कोर बराबर करने में सफल रहा।

कुशाल भुर्टेल ने 18 रन बनाकर नेपाल को पहले सुपर ओवर में 19 रन तक पहुंचाया, लेकिन नीदरलैंड के सलामी बल्लेबाज मैक्स ओडॉव ने पांचवीं और छठी गेंद पर क्रमशः छक्का और चौका लगाकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद नीदरलैंड ने दूसरे सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी की और 17 रन बनाए। हालांकि, नेपाल के दीपेंद्र सिंह एयरी ने काइल क्लेन की आखिरी गेंद को छक्के के लिए भेज कर मैच को नए मोड़ पर खड़ा कर दिया। दूसरा सुपर ओवर भी टाई रहा। तीसरे सुपर ओवर में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी की और एक भी रन नहीं बना पाया। नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर जैक लायन कैशेट ने चार गेंदों में बिना कोई रन दिए दो विकेट लेकर नेपाल का ओवर जल्दी समाप्त कर दिया। सुपर ओवर में दो विकेट गिर जाने पर पारी समाप्त हो जाती है। इसके बाद नीदरलैंड को इस तरह से मैच जीतने के लिए सिर्फ एक रन की जरूरत थी, लेकिन लेविट ने संदीप लामिछाने के ओवर की पहली गेंद पर छक्का जड़कर मैच का शानदार अंत किया।

स्मृति मंधाना आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बैटर बनीं

5 साल बाद टॉप पर पहुंचीं; बॉलर्स में दीप्ति शर्मा चौथे नंबर पर

नई दिल्ली। आईसीसी की विमेंस वनडे बैटर्स रैंकिंग में भारत की स्मृति मंधाना टॉप पर पहुंच गई हैं। वे साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ट और इंग्लैंड की नैटली सिवर ब्रंट को पीछे कर नंबर-1 पर पहुंचीं। मंधाना 5 साल बाद नंबर-1 बैटर बनीं, वे 2019 में आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज खत्म होने के बाद टॉप पर पहुंची थी। बॉलर्स की वनडे रैंकिंग में ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा चौथे नंबर पर बरकरार हैं। वे टी-20 रैंकिंग में दूसरे नंबर पर हैं। दीप्ति दोनों फॉर्मेट की ऑलराउंडर रैंकिंग में भी टॉप-4 के अंदर मौजूद हैं।

मंधाना टी-20 में चौथे नंबर-4 आईसीसी ने मंगलवार को विमेंस प्लेयर रैंकिंग अपडेट की। मंधाना ने 1 स्थान की छलांग लगाई, वे 727 पॉइंट्स के साथ टॉप पर पहुंचीं। सिवर-ब्रंट भी 1 स्थान ऊपर पहुंचीं, वे और वोल्वार्ट 719 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर कायम हैं। टॉप-10 बैटर्स रैंकिंग में भारत से और किसी भी प्लेयर को जगह नहीं मिली। जेमिमा रोड्रिग्ज 15वें और हरमनप्रीत कौर 16वें नंबर पर मौजूद हैं।

टी-20 बैटर्स रैंकिंग में भी मंधाना को छोड़कर भारत की कोई बैटर टॉप-10 में शामिल नहीं है। मंधाना चौथे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज और ऑस्ट्रेलिया की ही ताहलिया मैक्ग्रा टॉप-3 पोजिशन पर कायम हैं।

टॉप-10 बॉलर्स में दीप्ति इकलौती भारतीय वनडे की टॉप-10 बॉलर्स में दीप्ति शर्मा चौथे नंबर पर हैं। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन, ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर और मेगन शट टॉप-3 पोजिशन पर हैं। इस रैंकिंग में भारत की अगली टॉप प्लेयर रेणुका सिंह हैं, जो 24वें नंबर पर बरकरार हैं। हालांकि, टी-20 बॉलर्स रैंकिंग में दीप्ति दूसरे तो वहीं रेणुका पांचवें नंबर पर हैं।

दोनों ही फॉर्मेट की ऑलराउंडर्स रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ। वनडे में एश्ले गार्डनर टॉप पर हैं, दीप्ति चौथे नंबर पर मौजूद हैं। वहीं टी-20 में हेली मैथ्यूज नंबर-1 और दीप्ति नंबर-3 पर हैं। टीम इंडिया दोनों फॉर्मेट में तीसरे नंबर पर दोनों ही फॉर्मेट की टीम रैंकिंग में भी बदलाव नहीं हुआ। इंडिया विमेंस वनडे में 121 और टी-20 में 260 रेटिंग पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनों फॉर्मेट में पहले और दूसरे नंबर पर हैं।

पूर्व भारतीय स्पिनर अश्विन पर बॉल टैम्परिंग के आरोप

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन पर बॉल टैम्परिंग के आरोप लगे हैं। ये आरोप तमिलनाडु प्रीमियर लीग में हिस्सा ले रही मदुरई पैंथर्स की टीम ने लगाए हैं। इतना ही नहीं, फ्रेंचाइजी ने लीग के उएड प्रसन्ना कनन से इस मामले की शिकायत भी की है।

मदुरई पैंथर्स ने शिकायत में कहा- 'अश्विन और उनकी टीम ने एससीएफ क्रिकेट ग्राउंड पर 14 जून को खेले गए मुकाबले में गेंद से छेड़छाड़ की है। अश्विन और उनकी टीम ने ऐसी तौलियों का उपयोग किया, जिसमें एक विशेष प्रकार का कैमिकल लगा हुआ था। इससे गेंद की स्थिति बदल गई। बल्ले के संपर्क में आने पर गेंद से धातु जैसी आवाज आई। बारबार चेतावनी देने के बाद भी अश्विन और उनकी टीम मानी नहीं।'

उस मुकाबले को डिंडिगुल ड्रैगंस ने 9 विकेट से जीत लिया था। अश्विन को उस मुकाबले में कोई विकेट नहीं मिला था। उन्होंने 49 रनों की पारी खेली थी। इस मामले पर लीग के उएड प्रसन्ना कनन ने कहा- अगर मदुरई पैंथर्स के पास कोई सूबत है तो वे पेश करें। उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है, जिसें हमने देखा है। हालांकि, 24 घंटे के अंतर शिकायत दर्ज होनी चाहिए, फिर भी हमने शिकायत को मंजूर कर लिया है और उनसे आरोपों को लेकर सबूत पेश करने को कहा है। उन्होंने कहा- अगर हमें कोई ठोस सबूत मिलते हैं एक स्वतंत्र कमेटी बनाएंगे। अगर सबूत नहीं है तो फिर एक खिलाड़ी और फ्रेंचाइजी के खिलाफ इस तरह के आरोप लगाना ठीक नहीं है। पिछले हफ्ते फील्ड अंपायर्स से बहस की थी 38 साल के रविचंद्रन अश्विन तमिलनाडु प्रीमियर लीग में दूसरी बार विवादों में आए हैं। पिछले हफ्ते उन्हें फील्ड अंपायर से बहस करने के लिए सजा मिली थी। अश्विन ने अंपायर से बहस की थी और फिर गुस्से में अपने ग्लव्स फेंक दिए थे।

दिग्वेश राठी ने 5 गेंदों पर 5 विकेट लिए: आईपीएल से पहले का वीडियो वायरल; नोटबुक सेलिब्रेशन से चर्चा में आए थे

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के स्पिनर दिग्वेश राठी एक बार फिर चर्चा में हैं। टीम के मालिक संजीव गोयनका ने 16 जून को पर उनका एक वायरल वीडियो शेयर किया, जिसमें राठी ने एक लोकल मैच में लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट लिए।

राठी ने अपनी लेग स्पिन से चार बल्लेबाजों को बोल्ड किया और एक को एलबीडब्लू आउट किया। हालांकि एलबीडब्लू फैसलों को लेकर कुछ सवाल भी उठे हैं, लेकिन उनकी गेंदबाजी ने सबको प्रभावित किया। गोयनका ने पोस्ट में लिखा, 'दिग्वेश राठी का यह क्लिप देखा, 5 गेंदों में 5 विकेट। यही वो प्रतिभा है जिसने आईपीएल 2025 में उन्हें स्टार बनाया।

यह वीडियो आईपीएल से पहले फरवरी में खेले गए इमप्रेस क्रिकेट लीग का है। गुड़गांव में इस साल 21 फरवरी को इमप्रेस क्रिकेट लीग में सहगल क्रिकेट क्लब और एबी राइजिंग के बीच खेले गए मैच का है। राठी सहगल क्रिकेट क्लब से खेले थे। इस क्लब से आईपीएल में खेले हुए खिलाड़ी आयुष बदोनी और अनमोलप्रीत सिंह भी खेले थे। राठी ने 5 गेंदों पर 5 विकेट एबी राइजिंग के खिलाफ लिया। वीडियो में दिख रहा है कि एबी राइजिंग टीम को 36 गेंद पर 113 रन चाहिए थे। 14 ओवर तक बल्लेबाजी टीम ने 5 विकेट खोकर 151 रन बना लिए थे।

राठी की टीम ने इस मैच में 3 विकेट खोकर 263 रन बनाए थे। आयुष बदोनी ने 25 गेंदों पर 58 रन, अनमोलप्रीत सिंह ने 33 गेंदों पर 60 रन और शिवम चौधरी ने 42 गेंदों पर 98 रन की पारी खेली। वहीं, एबी राइजिंग को जीत के लिए 264 रन चाहिए थे।

राठी अपनी टीम की ओर से 15वां ओवर करने आए। उन्होंने ओवर की पहली गेंद पर एबी राइजिंग के बैटर अनिकेत धनकड़, उसके बाद प्रत्युष राज पांडे, निर्भय डागर और आदित्य राणा को बोल्ड किया। जबकि लक्ष्मण को एलबीडब्लू आउट किया। राठी ने इस मैच में 3.5 ओवर में 28 रन देकर 7 विकेट लिए। उनकी टीम ने इस मैच को 112 रन से जीत लिया।

राठी ने आईपीएल 2025 में लिए 14 विकेट 25 साल के राठी ने इस सीजन एलएसजी के लिए 13 मैचों में 14 विकेट लिए और टीम के सबसे सफल गेंदबाज बने। उन्होंने 8.25 की इकोनॉमी से बॉलिंग की।

नोटबुक सेलिब्रेशन के लिए एक मैच का बैन और जुमार्ना भी लगा हालांकि राठी अपने नोटबुक सेलिब्रेशन को लेकर विवादों में भी रहे, जिस वजह से उन्हें जुमार्ना और एक मैच का प्रतिबंध भी झेलना पड़ा। दरअसल आईपीएल 2025 के सीजन में दिग्वेश राठी ने डेब्यू किया। उन्होंने इस सीजन में 3 बार नोटबुक सेलिब्रेशन किया।

सोफी डिवाइन का वनडे से संन्यास का ऐलान

वर्ल्ड कप 2025 होगा आखिरी टूर्नामेंट टी-20 और फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर फोकस

न्यूजीलैंड। न्यूजीलैंड विमेंस की कप्तान सोफी डिवाइन इस साल भारत और श्रीलंका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के बाद इस फॉर्मेट से संन्यास ले लेंगी। हालांकि, वह टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में खेलती रहेंगी। सोफी ने इसकी घोषणा मंगलवार को की।

सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट आने से पहले संन्यास का किया ऐलान 35 साल की डिवाइन ने वनडे से अपने रिटायरमेंट का ऐलान न्यूजीलैंड की 17 महिला खिलाड़ियों की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट के आने से एक दिन पहले किया है। वे अब सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ग्रुप का हिस्सा नहीं होंगी। डिवाइन वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करेंगी और इसके बाद घरेलू सीजन से पहले नई वनडे कप्तान चुनी जाएगी।

17 साल की उम्र में वनडे करियर की हुई थी शुरूआत डिवाइन का 19 साल का शानदार वनडे करियर 2006 में शुरू हुआ था। वे न्यूजीलैंड की महिलाओं की वनडे मैच खेलने की सूची में सूजी बेट्स के बाद दूसरे स्थान पर हैं और रन बनाने वालों में चौथे स्थान पर हैं। उनके नाम 8 वनडे शतक हैं, जो न्यूजीलैंड की महिलाओं में बेट्स के बाद दूसरा सबसे ज्यादा हैं। न्यूजीलैंड की ओर से वनडे में विकेट लेने में दूसरे स्थान पर वे न्यूजीलैंड की महिला वनडे में सर्वाधिक विकेट लेने वालों की सूची में भी दूसरे स्थान पर हैं और ली ताहुहु के साथ 100 से ज्यादा विकेट लेने वाली दो खिलाड़ियों में शामिल हैं।

कई विदेशी लीग में खेलना भी जारी रखेंगी डिवाइन ळ20 क्रिकेट में खेलना चाहती हैं, क्योंकि उनके पास कई विदेशी फ्रेंचाइजी कॉन्ट्रैक्ट हैं। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए सही समय है कि मैं धीरे-धीरे पीछे हटूं। मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट के समर्थन के लिए आभारी हूं। मैं पूरी तरह से समर्पित हूं और अगले 6 से 9 महीनों में अपना बेस्ट दूंगी।'

हाई परफॉर्मेंस प्रमुख लिज ग्रीन ने कहा- 20 साल शानदार रहा न्यूजीलैंड क्रिकेट की महिला हाई परफॉर्मेंस प्रमुख लिज ग्रीन ने कहा, 'सोफी ने व्हाइट फर्न्स को लगभग 20 साल दिए हैं। हम उनके इस फैसले का पूरा समर्थन करते हैं और खुश हैं कि वे टी-20 फॉर्मेट के तहत हमसे जुड़ी रहेंगी।'

ओलंपिक 2036 की मेजबानी भारत के लिए हर तरह से फायदेमंद होगी: खेल राज्य मंत्री

नई दिल्ली। खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी महज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संदेश देने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने, अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और देश के युवाओं को प्रभावित करने वाले सामाजिक मुद्दों से निपटने की एक सुविचारित योजना भी है।

महाराष्ट्र के रावेर निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार लोकसभा सांसद रह चुकी 38 वर्षीय खडसे ने पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में इस आलोचना को खारिज कर दिया कि देश को ओलंपिक की मेजबानी जैसे खर्चीले आयोजन का लक्ष्य रखने से पहले देश को खेल महाशक्ति बनाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने यहां अपने कार्यालय में बातचीत में कहा, 'ओलंपिक 2036 या राष्ट्रमंडल खेल 2030 जैसी प्रतियोगिताओं की मेजबानी की तैयारी का मतलब है विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, आर्थिक निवेश और एक ऐसी प्रणाली को तैयार करना है जिसका फायदा सीधे खिलाड़ियों को मिलेगा।'

खडसे ने कहा, 'खेल अवसाद और यहां तक कि नशीली दवाओं की लत जैसी कई समस्याओं से निपटने का एक तरीका है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए जब आप ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करते हैं तो वह समाज के लिए प्रेरक शक्ति का काम करती हैं।' खेलों की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी अगले महीने गति पकड़ लेगी, जब खेल मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक संघ के अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल पिछले साल अपना आशय पत्र सौंपने के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के साथ चर्चा के लिए लुसाने जाएगा।

खडसे ने कहा, 'इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि ओलंपिक की मेजबानी करके हम एक संदेश देंगे। यह इस बात का संकेत है कि आप एक विकसित देश हैं। लेकिन साथ ही, यह युवाओं को राष्ट्र-निमार्ता के रूप में नेतृत्व करने का अवसर भी देता है।' उन्होंने कहा कि खेलों की मेजबानी और भारतीय खेलों के विकास को अलग-अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए।

खेल मंत्रालय का कार्यभार संभालने वाली दूसरी महिला और सबसे कम उम्र की खडसे ने कहा, 'हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि खर्च किया गया प्रत्येक रुपया देश को भविष्य में लाभ पहुंचाए।' पेरिस ओलंपिक 2024 की लागत नौ अरब डॉलर से ज्यादा थी, जबकि लॉस एंजिल्स में होने वाले 2028 के खेलों के लिए सात अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा खर्च होने का अनुमान है। कई बार ऐसा होता है कि अनुमानित लागत अंतिम खर्च से काफी ज्यादा होती है।

ओलंपिक की बोली को सफल बनाने के लिए आपसी सहयोग बेहद महत्वपूर्ण होगा लेकिन भारत के राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) अक्सर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में उलझे रहते हैं, जिसके कारण अदालती मामले सामने आते हैं, जिससे खिलाड़ियों को नुकसान पहुंचता है। खडसे ने कहा, 'इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए और खिलाड़ियों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। महासंघों को स्वायत्तता होनी चाहिए, लेकिन एनएसएफ और मंत्रालय के बीच अधिक सामंजस्य भी होना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'यह लक्ष्य हासिल करना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारा लक्ष्य 2036 में ओलंपिक की मेजबानी करना है। इसके लिए सभी को एकजुट होना होगा। मंत्रालय, एनएसएफ और आईओए अलग-अलग दिशाओं में नहीं जा सकते, उनके लक्ष्य एक जैसे होने चाहिए।' स्वायतता के विषय पर मंत्रालय और आईओए के बीच मतभेद हैं।

खडसे ने कहा, 'मनसुख भाई (खेल मंत्री मनसुख मांडविया) ने सभी एनएसएफ से बात की है और उनकी कठिनाइयों और मुद्दों को समझने की कोशिश की है। हम मुकदमेबाजी को कम करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं ताकि प्रशासन को नुकसान न हो। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ माहौल मिले।'

भारत में डोपिंग की समस्या पर खेल राज्य मंत्री ने कहा, 'हम खिलाड़ियों, कोचों और अभिभावकों के लिए अनिवार्य डोपिंगरोधी शिक्षा शुरू करना चाहते हैं। इसके साथ हम राज्य और जूनियर स्तर पर परीक्षण भी करना चाहते हैं। जो लोग नाबालिगों को ड्रग्स या डोपिंग की सुविधा देते हैं, उन्हें सख्त कानून के तहत दंडित किया जाना चाहिए।'

शहर में हुई बरसात में नगर निगम ने दिखाई चुस्ती

प्रमुख 20 स्थानों पर पंपसेट के माध्यम से की गई जल निकासी, वरिष्ठ अधिकारी रहे दौरे पर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में भारी बारिश के दौरान नगर निगम द्वारा व्यवस्था संभाली गई नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा बरसात से पूर्व टीम को अलर्ट किया गया। ऐसे स्थान जहां जल भराव की अधिकांश संभावना रहती है वहां टीम को भेजा गया इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए नालों में जल प्रवाहित रहे कार्य करने के निर्देश दिए उद्यान विभाग टीम को भी विशेष ध्यान रखते हुए पेड़ों की गिरने की स्थिति में तत्काल कार्यवाही करने के लिए कहा गया। वरिष्ठ अधिकारी अपर नगर आयुक्त लगातार मॉनिटरिंग हेतु दौरे पर रहे, गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत पांचो जोन में कहीं भी जल भराव नहीं रहा, लगातार गाजियाबाद नगर निगम जलकल विभाग उद्यान विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यवस्थाओं को संभालने का कार्य किया गया। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार द्वारा बताया गया कि भारी बारिश से पूर्व नगर आयुक्त द्वारा वॉकी-टॉकी के माध्यम से सभी को अलर्ट रहने के निर्देश दिए सभी विभागीय अधिकारी तथा टीम मौके पर बनी रही ऐसे प्रमुख 20 स्थान मोहन नगर जोन में पसोंडा के सामने, अप्सरा बॉर्डर के बाहर, सिकंदरपुर एयरपोर्ट के बाहर, नागद्वार के पर, विजयनगर में गौशाला अंडरपास, सिटी जोन में कालका गाड़ी, जीडीए ऑफिस के बाहर, नवयुग मार्केट, नेहरू नगर, घंटाघर, साईं उपवन अंडरपास राज नगर एक्सटेंशन सेवा नगर वसुंधरा क्षेत्र में साहिबाबाद अंडरपास सुपरटेक अहिंसा खंड के बाहर यूपी गेट पर तथा कवि नगर क्षेत्र में लाल कुआं के आसपास डायमंड फ्लाईओवर के आसपास तथा बम्हेता पुलिया पर जल भराव नहीं रहा जो की जल भराव के 52 हॉटस्पॉट में से 20 प्रमुख स्थान है लगातार कार्यवाही जारी रही। अपर नगर आयुक्त द्वारा यह भी बताया गया कि कई स्थानों पर उद्यान विभाग की टीम को भी अलर्ट किया गया जिनके द्वारा पेड़ गिरने की स्थिति में तत्काल कार्यवाही की गई कवि नगर जोन अंतर्गत इंग्रॅहम स्कूल के बाहर गिरे हुए पेड़ को तत्काल हटाया गया आवागमन सरल किया गया स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी पोकलेन फसी मशीन तथा जेसीबी के माध्यम से नालों की सफाई को गति देते हुए जल प्रवाहित स्थिति में बनाए रखा गया, सभी क्षेत्रों में पांचो जोन अंतर्गत नालों की सफाई का कार्य उपकरणों के माध्यम से बरसात के दौरान भी कराया गया।

महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम आपातकालीन स्थिति में भी बेहतर कार्य कर रही है जो की प्रशंनीय नहीं है। भारी तूफान तथा बारिश के दौरान क्षेत्र वासियों को असुविधा न हो विशेष ध्यान रखा गया। उपकरणों के माध्यम से जल निकासी का कार्य तथा नालों की सफाई का कार्य किया गया सभी टीम मौके पर बनी रही वरिष्ठ अधिकारियों की मॉनिटरिंग के चलते जनहित में बेहतर कार्य गाजियाबाद नगर निगम कर रहा है जो की सराहनीय है, महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा स्वास्थ्य विभाग को नालों की सफाई मानसून से पूर्व बेहतर रूप से करने के निर्देश दिए गए।

पार्षद राधेश्याम त्यागी ने किया पार्क के विकास कार्य का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के वार्ड 57 के न्यायखंड 2 के पार्क की पूजा अर्चना कर उद्घाटन किया। पार्षद राधेश्याम त्यागी ने कहा कि पिछले कई वर्षों से यह पार्क बदहाल पड़ा हुआ था। अब नई तर्ज पर रंगीन पुताई, बैंच, गेट, ग्रील, और लाइट्स से नया रूप दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इंदिरापुरम मकान नम्बर 517, न्याय खण्ड 2 पार्क इसमें नागरिकों के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें बच्चों के लिए खेल एरिया, वॉकिंग ट्रैक, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, लाइटिंग, सुविधा शामिल है। इस

अवसर पर अजय कुमार सेंगर, चंद्र देव सिंह, विनय कुमार, लक्ष्मण त्यागी, किशोर ठाकुर, सलीम, राजीव त्यागी, मदन पंडित, गोपाल दत्त, टीटू कालीराम, अशोक, सचिन राघव, अंकुर त्यागी आदि लोग मौजूद रहे।

जेएमएसआईटी में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाज़ियाबाद स्थित जे.एम.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने क्रोमा कैंपस के सहयोग से तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए अपने परिसर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की है। यह केंद्र छात्रों को भविष्य की तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और क्लाउड कंप्यूटिंग में व्यावहारिक एवं उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इस सेंटर के शुभारंभ के साथ ही जेएमएसआईटी ने अपने बीबीए एडवांस, बीसीए एडवांस और बी.टेक एडवांस कार्यक्रमों की शुरूआत की है, जो छात्रों को वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। क्रोमा कैंपस के निदेशक पवन दीक्षित ने इस अवसर पर कहा, इस केंद्र के माध्यम से गाज़ियाबाद जैसे विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र के छात्रों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जाएगा। जेएमएसआईटी के महा सचिव डॉ० हिमांशु सिंहल ने भी छात्रों को संबोधित किया। संस्थान के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) प्रवीण गुप्ता ने कहा, यह सिर्फ एक शुरूआत है, आने वाले समय में हम छात्रों को तकनीकी रूप से

इतना दक्ष बनाएंगे कि वे किसी भी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म पर आत्मविश्वास के साथ खड़े हो सकें। संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) अनिरुद्ध विश्वास ने कहा, जेएमएसआईटभ सदैव अपने छात्रों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने के उद्देश्य से अग्रसर रहता है। यह सेंटर इसी विजन की एक मजबूत कड़ी है। इस परियोजना के सफल संचालन में डॉ० हिमांशु सिंहल (महा सचिव), (डॉ.) प्रवीण गुप्ता (प्राचार्य), मिस तन्वी गौर (प्रमुख : ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट) ने अत्यंत सक्रिय और प्रेरक भूमिका निभाई। साथ ही, क्रोमा कैंपस की ओर से भवतोष शिशोदिया, कृष्णा एवं गौरव (ट्रेनर) उपस्थित रहे। संस्थान की ओर से अंकिता चौधरी (एडमिशन प्रमुख), शिव शंकर पचौरी (एडमिशन प्रमुख), डॉ० गौरव शर्मा (कैंपस मैनेजर) समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएँ इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

वसुंधरा सेक्टर-14 में भरा सीवर का पानी, लोग परेशान

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वसुंधरा सेक्टर-14 / 405 मकान के सामने कई दिनों से सीवर ओवर फ्लो की समस्या बनी हुई है। सीवर ओवर फ्लो होने के बाद सोसायटी में गंदा बदबूदार पानी जमा हो गया है। पानी जमा होने से बीमारी फैलने का खतरा है। वहीं जमा पानी में मच्छर भी पनप रहे हैं। इससे परेशान पूर्व पार्षद अरविंद चौधरी ने नगर निगम को इसकी शिकायत दी है। साथ ही जल्द से जल्द सुपर सकर मशीन से सफाई कराने की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि इसकी शिकायत 311 पर भी की थी और मंगलवार को नगर एक्ट को भी शिकायत की है लेकिन अभी तक सीवर की समस्या बनी हुई है जिससे आसपास के लोग परेशानी है।

बीते कई दिनों से सीवर का पानी जमा है। गंदा पानी जमा होने से आने जाने में परेशानी आ रही है। नगर निगम को चाहिए कि इस जल्द से जल्द साफ करवाया जाए ताकि कोई भी बीमारी ना फैले। साथ ही गंदा पानी जमा होने के कारण सोसायटी में आने जाने में भी दिक्कत आती है। घर के आसपास छोटे बच्चे भी रहते हैं। बीमारी का डर बना रहता है।

एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने किया समसेमेस्टर की अंतिम परीक्षाओं का सफल आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एस.डी.जी.आई. ग्लोबल यूनिवर्सिटी के प्रबंधन को यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि जनवरी- जून 2025 सत्र की अंतिम परीक्षाएं सफलतापूर्वक संपन्न हो गई हैं। परीक्षाएं सभी शैक्षणिक मानदंडों, गुणवत्ता मानकों एवं नियामक दिशानिर्देशों का पूर्णतः पालन करते हुए आयोजित की गईं। संपूर्ण परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शिता, निष्पक्षता और अकादमिक ईमानदारी के साथ संचालित की गई।

यह परीक्षाएं 13 जून 2025 को संपन्न हुईं। विश्वविद्यालय प्रबंधन उन सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, पर्यवेक्षकों और परीक्षा टीम के सदस्यों का आभार प्रकट करता है, जिनके समर्पण और सहयोग से यह परीक्षा संचालन पूरी तरह सफल रहा।

परीक्षा परिणाम 15 दिनों के भीतर घोषित किए जाएंगे, जिसकी सूचना एसजीयू की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से दी जाएगी। सभी विद्यार्थियों से अनुरोध है कि वे नियमित रूप से वेबसाइट देखते रहें।

विश्वविद्यालय के उच्च प्रबंधन – कुलाधिपति महेन्द्र अग्रवाल, उप-कुलाधिपति नितिन अग्रवाल, उपाध्यक्ष अखिल अग्रवाल, कुलपति डॉ. प्रसेनजीत कुमार, उप- कुलपति पीयूष श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ. राजीव रतन एवं परीक्षा नियंत्रक अभिषेक पाल – ने इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, मूल्य-आधारित शिक्षा और समग्र विकास हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। परीक्षा प्रक्रिया का सफल संचालन इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और उन्हें हर संभव सहयोग देने के लिए संकल्पित हैं।

नोएडा में इंजीनियर युवती से दुष्कर्म

गौतम बुद्ध नगर करंट क्राइम। नोएडा में मैट्रीमोनियल साइट के जरिए एक इंजीनियर युवती के साथ बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपी ने शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म किया और 65 लाख रुपए की ठगी की। पीड़िता मूल रूप से भोपाल की रहने वाली है। वह नोएडा की एक आईटी कंपनी में डेढ़ लाख रुपए मासिक वेतन पर काम करती थी। पीड़िता ने जीवनसाथी डॉट कॉम पर प्रोफाइल बनाई थी। आरोपी ने वहीं से उससे संपर्क किया। दोनों 11 अगस्त 2024 को सेक्टर-56 के एक होटल में मिले। आरोपी ने शादी का वादा करके शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद उसने सेक्टर-18 के एक होटल में पार्टी दी। वहां दोस्तों के सामने जल्द शादी करने की घोषणा की। आरोपी ने युवती को गोवा, कर्नाटक और शिमला की यात्राएं कराईं। इस दौरान उसने युवती का मोबाइल फोन अपने पास रख लिया। पहले 25 लाख रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करवाए। फिर मोबाइल का पासवर्ड होने का फायदा उठाकर 20-25 फिनटेक ऐप्स से 40 लाख रुपए का पर्सनल लोन ले लिया।

ट्रांस हिंडन फोटोग्राफर एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन, मनोज कुमार चुने गये अध्यक्ष

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। साहिबाबाद में फोटोग्राफर एसोसिएशन ट्रांस हिंडन साहिबाबाद की नई कार्यकारिणी का गठन व शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मनोज कुमार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। उनके नेतृत्व में नवनियुक्त कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने शपथ ली। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधान परिषद सदस्य सुरेश कश्यप व संरक्षक प्रवीण भाटी ने समारोह की गरिमा को बढ़ाया। सुरेश कश्यप व प्रवीन भाटी द्वारा सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का संचालन एवं चुनाव प्रक्रिया चुनाव अधिकारियों नरेश चौहान एवं ब्रजेश जादौन की देखरेख में संपन्न हुई। नवनियुक्त कार्यकारिणी के नाम अध्यक्षः मनोज कुमार, उपाध्यक्ष राजू अहीरवाल, मोनू शर्मा, राजू कुमार, रिंकू सिंह, सचिव मुकेश कश्यप, सह सचिवः उमेश वर्मा, आजाद कुमार, कोषाध्यक्षः अनूप कुमार, प्रचार मंत्रीः गुलशन, संजय सोलंकी, राजू, योगेश, मीडिया प्रभारी अमित डबास, वीर सिंह, राहुल कुमार, सलाहकारः बाबू राम, महेंद्र सिंह। संस्था के सक्रिय सदस्य नरेश कुमार, अमित शर्मा, रमेश वर्मा, शाहरुख, दीपक, सरजू, तरुण, अरुण मौजूद रहे।

क्षेत्रवासियों की ओर से राजकुमार वर्मा सुरेंद्र भारती, अनिल शर्मा एवं राजपाल कौशिक जैसे गणमान्य व्यक्ति भी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने संगठन के प्रति अपना समर्थन एवं शुभकामनाएं प्रकट कीं।

डीएम दीपक मीणा ने की कावड़ यात्रा की समीक्षा बैठक

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद में दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में कांवड़ यात्रा की तैयारियों के सम्बंध में डीएम दीपक मीणा ने समीक्षा बैठक की। गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा मुख्य मार्ग मुरादनगर से टीला मोड - पाईप लाईन रोड यह 25 किमी है। कादराबाद बार्डर से गाजियाबाद दिल्ली बार्डर 42.5 किमी लगभग है। इसके साथ ही कांवड़ यात्रा सहायक मार्ग दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे–53 किमी व एनएच 24 पर 28 किमी है। कांवड़ यात्रा के प्रमुख स्थान मुरादनगर गंगनहर घाट, दूधेश्वरनाथ मंदिर, दिल्ली गेट स्थित देवी मन्दिर, सुराना शिव मन्दिर, मोदीनगर स्थित मन्दिर हैं। सुरक्षा के मद्देनजर मुख्य कन्ट्रोल रूम मोदीनगर राजचोपला, मुरादनगर गंगनहर, मेरठ तिराहा, टीला मोड व जिला मुख्यालय कन्ट्रोल रूम हैं। कांवड़ मार्ग व्यवस्था में सड़क मुख्य मार्ग व सहायक मार्ग 30 जून तक गडढामुक्त कर दिये जायेंगे।

50 वॉच टावर बनाए जा रहे

डीएम दीपक मीणा ने बताया कि हर एक किलोमीटर पर मेडिकल टीम रहेगी। शहर क्षेत्र में 2307 व ग्रामीण क्षेत्र में 6331 प्रकाश बिन्दु की व्यवस्था की जाती है। स्थानीय जन सहयोग व पुलिस विभाग द्वारा 180 कैमरों की स्थापना की गयी है। कांवड़ मार्ग पर 50 शौचालय सामुदायिक शौचालय सम्मिलित हैं। स्वच्छ पेयजल हेतु नगर निकाय के 150 टैंकर हैं। चिकित्सा सुविधा 30 एम्बुलेन्स, 250 चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ, 20 चिकित्सा शिविर, 180 बेड आरक्षित हैं।

सिटी में क्यों लाइन हाजिर हुआ एक टू-स्टार

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में वैसे तो बड़ी संख्या में टू-स्टार हैं और कई बहुत तेज तो कई अपने एक्स्ट्रा वर्किंग के लिए पहचान रखते हैं। तो सुनने म आया है कि बीते दिनों पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम के अंतर्गत आने वाले सिटी जोन में हिंडन नदी से सटे वाले इलाके खास थाने की खास चौकी पर तैनात टू-स्टार के लाइन हाजिर होने की जानकारी मिल रही है। बताया जा रहा है कि अधिकारियों के पास जब यह पूरा मामला पहुंचा, तो टू-स्टार को लाइन हाजिर कर दिया गया। वहीं सूत्रों से सुनने में आ रहा है कि टू-स्टारा का मामला उस सोसायटी से जुड़ा हुआ था जो प्रदेश वाले महाराज जी से जुड़ी हुई है। इस सोसायटी के मामले ने जहां टू-स्टार को करंट दे दिया है। वहीं पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्र बता रहे हैं कि सिटी जोन के अंतर्गत हिंडन नदी के निकट बने एक थाने की खास चौकी पर तैनात एक टू-स्टार को बीते दिनों लाइन हाजिर किया गया है। कहा जा रहा है कि लाइन हाजिर होने की वजह उनका कड़क और अधिक जोर देकर बोलने वाला स्वभाव बताया जा रहा है। वहीं सुनने में यहां तक

आ रहा है कि सोसायटी जिसमें महाराज जी आते रहते हैं, वहां की कोई समस्या और गोयल साहब का मामला था, जिसको लेकर टू-स्टार थोड़ा गर्म हो गए थे। बाद में मामला नरम पड़ा लेकिन तब तक लखनऊ तक शिकायत पहुंच चुकी थी और फिर उसका असर होना ही था। वैसे भी जब मामला पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम के अधिकारियों तक पहुंचा तो साहब ने हाथ खड़े कर लिए और टू-स्टार पर कार्रवाई वाला काम हो गया। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्र बता रहे हैं कि बीते दिनों उनके यहां के कई मामले हाईलाइट हुए, पर उनका खुलासा भी हुआ पर मामला इस तरीके से टाइट हुआ कि वह साइड लाइन कर दिए गए हैं। उधर सुनने में आ रहा है कि जिस टू-स्टार को लाइन हाजिर किया गया है, वह कभी सिटी वाले साहब के ऑफिस और टीम के खास भी माने जाते थे। तो टू-स्टार ने नदिया वाले पार में भी अपना मजबूती से डंका बज चुके हैं। वहीं सिटी में उनकी पारी उतनी लंबी नहीं चल पाई जितना उनको अनुमान था। वह सिटी वाले पूर्व साहब की टीम का हिस्सा भी रहे हैं, पर इस बार जब शिकायत वाला मामला आया तो उनपर कृपा नहीं हुई और वह सीधे चौकी से पुलिस लाइन के लिए हालिर कर दिए गए हैं।

इंदिरापुरम में पेइंग गेस्ट में रह रही युवती ने फंदा लगाकर जान दी

लोनी (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम की एक निजी सोसाइटी में 22 वर्षीय युवती ने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान मथुरा निवासी नेहा के रूप में हुई। वह इंदिरापुरम के एक पेइंग गेस्ट में रह रही थी। पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। दरवाजा तोड़कर नेहा को फंदे से उतारा गया।

प्राथमिक जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचित किया गया। परिजनों के आने के बाद पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मोबाइल और अन्य निजी दस्तावेजों

की जांच कर रही है। सोसाइटी के निवासियों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अधिवक्ता के घर चोरी, नकदी व जेवर ले गए चोर, परिवार को किया कमरे में बंद

मुरादनगर (करंट क्राइम)। मुरादनगर थानाक्षेत्र के गांव डिडौली में चोरों ने एक अधिवक्ता के घर को निशाना बनाया। चोरों ने परिवार को कमरे में बंद कर वारदात को अंजाम दिया। अधिवक्ता तरुण कुमार ने बताया कि रात करीब साढ़े तीन बजे उनकी नींद खुली। लघुशंका के लिए जब वे कमरे से बाहर निकलने लगे तो दरवाजा बाहर से बंद मिला। उन्होंने अपने भतीजे देवांश त्यागी को फोन किया। देवांश का कमरा भी बंद था। इसके बाद उन्होंने डायल 112 पर फोन किया। देवांश ने पड़ोसी पिंटू शर्मा को स्थिति से अवगत कराया। पिंटू शर्मा ने आकर सभी को कमरों से बाहर निकाला। जांच में पता चला कि चोर दूसरे कमरे के सेफ का ताला तोड़कर सात हजार रुपए की नकदी, सोने-

चांदी के जेवरात और अन्य कीमती सामान ले गए। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में तीन चोर कैद हुए हैं। चोर पीछे के खाली प्लॉट से घर में घुसे थे। मुरादनगर थाने में पीड़ित की शिकायत पर तीन अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

स्कूटी की डिग्गी में छिपाकर करता था शराब की होम डिलीवरी, गिरफ्तार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोनी बॉर्डर थाना पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी गोपाल दिल्ली से अवैध शराब लाकर घर-घर डिलीवरी करता था। पुलिस ने उसके पास से अवैध शराब और तस्करी में इस्तेमाल की जाने वाली स्कूटी जब्त की है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। आरोपी गोपाल ग्राहकों की मांग पर शराब की होम डिलीवरी करता था। वह स्कूटी की डिग्गी में शराब छिपाकर रखता था। पूछताछ में गोपाल ने बताया कि वह दिल्ली से

चोरी-छिपे शराब लाता था। मुनाफा कमाने के लिए उसने यह धंधा शुरू किया था। पुलिस ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

पार्किंग विवाद में फायरिंग, राहगीर के पैर में लगी गोली, पुलिस ने 5 लोगों को हिरासत में लिया

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। विजयनगर थाना क्षेत्र की देवरस भावरस कॉलोनी में मंगलवार को पार्किंग विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। गाड़ी खड़ी करने को लेकर शुरू हुई कहासुनी मारपीट में बदल गई। विवाद के दौरान एक पक्ष ने फायरिंग कर दी। गोली एक राहगीर युवक के पैर में जा लगी। घायल को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच संदिग्धों को हिरासत

में ले लिया। सहायक पुलिस आयुक्त, कोतवाली नगर श्री रितेश त्रिपाठी ने बताया कि दोनों पक्षों से तहरीर ली गई है। मामले की जांच जारी है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

ईरान के खिलाफ लड़ाई में इस्राइल के साथ जी-7 देश

तेहरान को पश्चिम एशिया में अस्थिरता का मूल कारण बताया

टोरंटो । ईरान और इस्राइल के बीच हवाई युद्ध बीते शुक्रवार को शुरू हुआ था, जब इस्राइल ने ईरान पर हवाई हमले किए थे। जवाब में ईरान ने भी इस्राइल पर ड्रोन और मिसाइलों से हमले किए थे। इससे इलाके में तनाव और चिंता बढ़ गई है। यहां अक्तूबर 2023 में गाजा पर इस्राइल के सैन्य हमले की शुरूआत के बाद से ही तनाव था।

जी7 देशों के नेता वैश्विक दबाव से जुड़े कई मामलों पर चर्चा करने और उनका समाधान निकालने के लिए कनाडा में एकत्र हुए थे। हालांकि, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर टकराव की वजह से कार्यक्रम पूरी तरह से बाधित हो गया। इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब और भी खतरनाक और अनियंत्रित होता दिखाई दे रहा है। दोनों देश चार दिन से एक-दूसरे पर बम बरसा रहे हैं।

जी-7 देशों ने ईरान के खिलाफ लड़ाई में इस्राइल का खुलकर समर्थन कर दिया है। सोमवार को देर रात जारी एक बयान में जी-7 देशों ने इस्राइल के प्रति समर्थन व्यक्त किया और उसके प्रतिद्वंद्वी ईरान को पश्चिम एशिया में अस्थिरता का मूल कारण बताया। इस बयान में इलाके में शांति और स्थिरता का आह्वान किया गया

जी7 के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने शिखर सम्मेलन में चेतावनी दी कि तेहरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को रोकने की जरूरत है, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। उन्होंने कहा कि ईरानी नेता बातचीत करना चाहेंगे, लेकिन उनके पास अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर एक समझौते पर पहुंचने के लिए पहले से ही 60 दिन थे। इस्राइली हवाई हमले शुरू होने से पहले वे ऐसा करने में विफल रहे। उन्हें एक समझौता करना होगा।

मुझे वापस जाना है यह बहुत जरूरी है' यह पूछे जाने पर कि अमेरिका को सैन्य रूप से संघर्ष में शामिल होने के लिए क्या करना होगा? ट्रंप ने सोमवार सुबह कहा, 'मैं इसके बारे में बात नहीं करना चाहता।' इस बीच ट्रंप ने सोशल मीडिया पर चेतावनी दी कि सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए। इसके तुरंत बाद ट्रंप ने शिखर सम्मेलन छोड़ने और मंगलवार की बैठकों से दूरी बनाने का फैसला किया। बैठक में यूक्रेन में चल रहे युद्ध और वैश्विक व्यापार मुद्दों को चर्चा होनी थी। जब ट्रंप ने अन्य ऋ नेताओं के साथ एक तस्वीर के लिए पोज दिया तो उन्होंने बस इतना कहा कि मुझे वापस जाना है, यह बहुत जरूरी है।

ईरान में फंसे 110 भारतीय छात्र आर्मेनिया सीमा पर पहुंचे

एजेंसी । ईरान-इस्राइल के बीच बढ़े सैन्य तनाव के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने ईरान-इस्राइल संघर्ष को देखते हुए ईरान से कश्मीरी समेत सभी भारतीय छात्रों को सुरक्षित लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। तीन विश्वविद्यालयों के छात्रों को फिलहाल सुरक्षित जगह पहुंचाया गया है। अन्य छात्रों को भी स्थानांतरित किया जा रहा है। ईरान में करीब डेढ़ हजार कश्मीरियों समेत दस हजार भारतीय छात्र हैं। अधिकतर छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए वहां गए हैं।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि ईरान का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण छात्रों को आर्मेनिया के रास्ते निकाला जा रहा है। आर्मेनिया से छात्रों को जॉर्जिया और फिर पश्चिम एशिया के रास्ते भारत लाया जा सकता है। 110 विद्यार्थियों का पहला दल आर्मेनिया सीमा पर पहुंच चुका है।

भारतीय दूतावास ने सोमवार को छात्रों को तेहरान से निकालने के लिए बसों की व्यवस्था की। तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज, इस्लामिक आजाद यूनिवर्सिटी और

ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज से सभी भारतीय छात्रों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया है। शहीद बेहेश्टी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के भारतीय विद्यार्थियों को वेलेंजक विश्वविद्यालय के गेट नंबर 2 से सुबह 10 बजे (ईरान के समय अनुसार) कोम शहर के लिए रवाना किया गया।

उर्मिया यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज से भी विद्यार्थियों को सुरक्षित जगह भेजा जा रहा है। शिराज यूनिवर्सिटी और इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्रशासन से भारतीय दूतावास की बात हो चुकी है। यहां से छात्रों को मंगलवार को सुबह निकाला जाएगा। दूतावास ने सभी भारतीय नागरिकों और छात्रों से घर के अंदर रहने और आधिकारिक चैनलों पर नजर रखने के लिए कहा है। विदेश मंत्रालय ने एक टेलीग्राम चैनल बनाया है, जहां छात्र अपने संपर्क विवरण अपडेट कर सकते हैं और अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। भारतीय दूतावास ने अराक विश्वविद्यालय से सभी भारतीय छात्रों को निकालने में मदद करने का अनुरोध किया है।

तेल की कीमत से व्यापार मार्ग तक

पश्चिम एशिया में संघर्ष का भारत पर असर

पश्चिम एशिया। इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष अब पांचवें दिन पर पहुंच चुका है। दोनों ही देशों ने एक-दूसरे के ऊपर जबरदस्त हमले किए हैं। जहां इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों से लेकर सैन्य अफसरों तक को एयरस्ट्राइक में निशाना बनाया, वहीं ईरानी सेना की तरफ से बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए इस्राइल पर कहर बरपाया गया है। अब तक की जानकारी के मुताबिक, इस्राइल में 24 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। वहीं, ईरान में 220 लोगों की जान जाने की खबर है।

इस पूरे घटनाक्रम पर भारत ने करीब से नजर रखी है। ईरान में फंसे अपने छात्रों को आर्मेनिया के रास्ते

निकालने के बाद अब विदेश मंत्रालय ने तेहरान में रह रहे भारतीयों को शहर से बाहर किसी सुरक्षित स्थान पर रुकने को कहा है। इस बीच अमेरिका के भी इस जंग में कूदने की खबरें हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान के लोग जल्द से जल्द तेहरान छोड़ दें।

ऐसे में यह जानना अहम है कि भारत ने पश्चिम एशिया में उभरी स्थिति के मद्देनजर अब तक कौन से कदम उठाए हैं? इस संघर्ष के पूर्णतः युद्ध का रूप लेने से भारत पर क्या-क्या असर हो सकता है? किन क्षेत्रों पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ेगा? आइये जानते हैं इस्राइल-ईरान के बीच पूरी तरह युद्ध छिड़ जाने का भारत के लिए क्या मतलब इस्राइल और ईरान के बीच अगर यह संघर्ष पूरी तरह युद्ध में बदलता है तो इसका प्रभाव भारत पर भी पड़ने के आसार हैं। इतना ही नहीं दोनों देशों में भारतीयों की अच्छी-खासी संख्या, जो कि पूर्ण युद्ध की स्थिति में खतरे में पड़ सकती है। अमेरिका की तरफ से लगाए गए प्रतिबंधों के चलते भारत फिलहाल ईरान से कच्चा तेल आयात नहीं करता।

गाजा में मदद लेकर आ रहे ट्रकों का इंतजार करते समय

45 फलस्तीनियों की मौत, स्वास्थ्य अधिकारियों का दावा

नई दिल्ली । गाजा पट्टी में जरूरत सामग्री का इंतजार करते हुए 45 फिलिस्तीनी मारे गए। यह घटना उस वक्त हुई जब संयुक्त राष्ट्र और वाणिज्यिक ट्रकों के पहुंचने की उम्मीद की जा रही थी। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय और एक स्थानीय अस्पताल ने इसकी जानकारी दी। इन मौतों की परिस्थितियां फिलहाल स्पष्ट नहीं हैं। यह इस्राइली और अमेरिकी समर्थित राहत प्रणाली से जुड़ी नहीं मानी जा रही हैं, जिसे पिछले महीने लागू किया गया था। इसे प्रणाली को लेकर पहले से ही विवाद और हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं।

इस्राइली सेना पर भीड़ पर गोलीबारी करने का आरोप फिलिस्तीनियों का कहना है इन खाद्य वितरण केंद्रों के पास बार-बार भीड़

पर इस्राइली सेना ने गोलीबारी की है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि इन घटनाओं में दर्जनों लोगों की मौत हुई है और सैकड़ों घायल हुए हैं। इन मामलों पर इस्राइली सेना का कहना है कि लोगों पर चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं, जो संदिग्ध ढंग से इस्राइली सैनिकों के पास पहुंचे थे।

संयुक्त राष्ट्र ने इस नई वितरण प्रणाली को अस्वीकार किया संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों और प्रमुख सहायता समूहों ने सहायता के किसी भी बड़े मोड़ से इनकार किया है और नई प्रणाली को अस्वीकार कर दिया है। उनका कहना है कि यह गाजा में बढ़ती जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती है। यह इस्राइल के हाथों में नियंत्रित करने की अनुमति देकर मानवीय सिद्धांतों का उल्लंघन करती है कि सहायता तक किसकी पहुंच है। विशेषज्ञों ने गाजा में व्यापक अकाल की चेतावनी दी है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित नेटवर्क ने 20 महीने तक चले इस्राइल-हमास युद्ध के दौरान गाजा में सहायता पहुंचाई है। लेकिन मार्च की शुरूआत से लेकर मई के मध्य तक इस्राइल के लगाए गए पूर्ण नाकेबंदी को ढीला करने के बाद से इसे बड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ा है।

20 महीने से जारी है युद्ध गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अक्टूबर 2023 से जारी इस्राइली सैन्य अभियान में अब तक 55,300 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं।

कनाडा में टोइंग रैकेट का भंडाफोड़, 18 गिरफ्तार, ज्यादातर भारतीय मूल के, 4.2 मिलियन कनाडाई डॉलर बरामद

टोरंटो । पुलिस ने इनके पास से 42 लाख कनाडाई डॉलर (करीब 26 करोड़ रुपये) से ज्यादा की संपत्ति भी जब्त की है। जानकारी के मुताबिक, पील रीजनल पुलिस ने यह कार्रवाई एक संयुक्त अभियान 'प्रोजेक्ट आउटसोर्स' के तहत की। गिरफ्तार किए गए लोगों में 17 पुरुष और 1 महिला शामिल है। महिला का नाम हालेह जावादी तोराबी है, जो किंग सिटी की रहने वाली है। बाकी सभी पुरुष ब्रैम्पटन शहर के निवासी हैं।

पील पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी में इंदरजीत ढामी, परितोष चोपड़ा, गुरबिंदर सिंह, कुलविंदर पुरी, परमिंदर पुरी, इंदरजीत बल, वरुण औल, केतन चोपड़ा, नॉर्मन तजेहकंद, पवनदीप सिंह, दीपांशु गर्ग, राहुल वर्मा, करण बोपाराय, मनकीरत बोपाराय, सिमर बोपाराय, जोवन सिंह और अभिनव

कनाडा के ओंटारियो प्रांत में पुलिस ने टोइंग (वाहन खींचने) से जुड़े एक संगठित आपराधिक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से ज्यादातर भारतीय मूल के बताए जा रहे हैं।

भारद्वाज शामिल है। इन सभी की उम्र 21 से 38 वर्ष के बीच है।

गिरफ्तार लोगों पर 97 आपराधिक आरोप

पुलिस की तरफ से गिरफ्तार किए गए इन सभी लोगों कुल 97 आरोप लगे हैं, जिनमें आपराधिक संगठन चलाना, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, हथियार रखना और अन्य गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें से तीन लोगों को बाद में कोर्ट में पेश होने के लिए छोड़ा गया, जबकि 15 लोगों को तुरंत जमानत सुनवाई के लिए कोर्ट भेजा गया।

टोइंग उद्योग की आड़ में अपराध

पुलिस जांच के अनुसार, ये लोग दो हिस्सों में काम कर रहे थे झ एक समूह जबरन वसूली और हिंसा में शामिल था, जबकि दूसरा टोइंग उद्योग से जुड़ा था। ये लोग फर्जी एक्सीडेंट करके बीमा कंपनियों से धोखाधड़ी करते थे और हथियारों व धमकियों के जरिए स्थानीय टोइंग व्यवसाय पर कब्जा जमाने की कोशिश करते थे। इनके कुछ टोइंग व्यवसायों के नाम सर्टिफाइड रोडसाइड और हम्बल रोडसाइड बताए गए हैं। पुलिस और सरकार की प्रतिक्रिया पील पुलिस प्रमुख ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से लगभग आधे पहले से ही किसी न किसी जमानत पर थे।

इस्राइल ने खत्म की ईरान की आंतरिक सलाहकार टीम, अकेले पड़े खामनेई, शादमानी की भी मौत

तेहरान। इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष में ईरान को भारी नुकसान हुआ है। इस संघर्ष में ईरान ने न सिर्फ अपने देश के शीर्ष सैन्य कमांडरों को खोया है बल्कि कई परमाणु संयत्रों और अहम सैन्य ठिकाने भी ध्वस्त हो गए हैं। इसी बीच मंगलवार को इस्राइली सेना ने ईरान के एक और शीर्ष कमांडर अली शादमानी को भी मार गिराया है। इस्राइल के लगातार हमलों के चलते ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई अकेले पड़ गए हैं।

सैन्य सलाहकार अली शादमानी की मौत

मंगलवार को इस्राइल की सेना (आईडीएफ) ने दावा किया है कि पांच दिनों में दूसरी बार आईडीएफ ने ईरान के युद्धकालीन चीफ ऑफ स्टाफ को मार गिराया है। ईरान के सबसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और खामनेई के सबसे करीबी सैन्य सलाहकार अली शादमानी सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर मध्य तेहरान में आईएएफ के हमले में मारे गए। शादमानी ईरान की सैन्य आपात कमान के प्रमुख थे। उन्होंने चार दिन पहले ही यह पद संभाला था। उन्हें इस्राइली हमले में मारे गए मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह यह जिम्मेदारी दी गई थी। बता दें कि, मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की मौत पिछले शुक्रवार को हुई थी। ईरान के सर्वोच्च नेता

अयातुल्ला अली खामनेई अब पहले से कहीं अधिक अकेले नजर आ रहे हैं। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, इस्राइली हवाई हमलों में खामनेई के कई प्रमुख सैन्य और सुरक्षा सलाहकारों की मौत हो चुकी है, जिससे उनकी आंतरिक सलाहकार टीम में लोगों भारी कमी है, जिसके असर नेतृत्व पर भी देखने को मिल रहा है। इन लोगों के मारे जाने के बाद रणनीतिक गलतियों की आशंका बढ़ गई है।

पिछले शुक्रवार से अब तक कई वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की हत्या कर दी गई है। जिनमें रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (ईरान की प्रतिष्ठित सैन्य इकाई) के कमांडर हुसैन सलामी, बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के प्रमुख और एयरस्पेस चीफ अमीर अली हाजीजादेह, और खुफिया प्रमुख मोहम्मद काजमी शामिल हैं। ये सभी खामनेई के करीब 15-20 लोगों की उस आंतरिक सलाहकार टीम का हिस्सा थे जो समय-समय पर महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए खामनेई के साथ बैठक करते थे। इस सलाहकार मंडल में रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के वरिष्ठ अधिकारी, धार्मिक नेता और राजनेता शामिल होते हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा, ईरान ने मोसाद के मुख्यालय पर हमले का किया दावा

तेहरान । ईरान ने इस्राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के मुख्यालय पर कथित तौर पर हमला किया है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब दोनों देशों के बीच जारी टकराव में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। अब तक इस युद्ध में ईरान में 200 से ज्यादा लोगों की जान जा जा चुकी है, जबकि इस्राइल में दर्जनों लोग मारे गए हैं। तेहरान के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी।

प्रेस टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसने मंगलवार को संघर्ष के दौरान कथित तौर पर मोसाद के एक ठिकाने को निशाना बनाया। इस्राइली सेना ने इन हमलों को हल्का दिखाने की कोशिश करते हुए कहा कि मिसाइलों से एक बस पार्किंग क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, प्रेस टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, हमले में इस्राइल के रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिनमें एमन लॉजिस्टिक्स केंद्र

और हर्जलिया में स्थित मोसाद का मुख्यालय भी शामिल है।

ईरान की इस्राइल को नए हमलों की चेतावनी

इस बीच, ईरानी सेना ने इस्राइल को चेतावनी दी है कि आने वाले घंटों में नए और अत्याधुनिक हथियारों से सख्त हमले किए जाएंगे। मंगलवार को इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने बताया कि ईरान ने आज 30 मिसाइलें दागी हैं, जिनमें से कुछ इस्राइली रक्षा प्रणाली को पार कर गईं।

हम दुश्मनों का पीछा करते रहेंगे: आईडीएफ

आईडीएफ ने बयान में कहा, हम अपनी उन्नत खुफिया क्षमताओं, हवाई वर्चस्व और जटिल सैन्य रणनीतियों से अपने दुश्मनों का पीछा करते रहेंगे। इसी बीच, इस्राइल ने दावा किया है कि उसने एक हवाई हमले में ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडर अली शादमानी को मार गिराया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दुनिया में बहुत दर्द और पीड़ा पैदा की

कनानास्किस । कनाडा के जनजातीय नेता स्टीवन क्राउचाइल्ड ने जी7 सम्मेलन में विश्व नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि जब उन्होंने सुना कि डोनाल्ड ट्रंप भी आ रहे हैं, तो उन्हें बहुत गुस्सा आया और वे वहां से चले जाने का सोचने लगे। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने दुनिया में बहुत दर्द और पीड़ा पैदा की है। इसके बजाय, स्टीवन ने प्रार्थना की और अपने बुजुर्गों और सलाहकारों से बात की। इसके बाद उन्होंने वहां रुकने और ट्रंप से आमने-सामने बात करने का फैसला किया। स्टीवन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि शांति को बढ़ावा देने, स्वच्छ पानी की रक्षा करने और कनाडा के प्रथम राष्ट्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण अन्य मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। ट्रंप के साथ अपनी लंबी मुलाकात को याद किया क्राउचाइल्ड ने सोमवार को कहा कि यह वास्तव में बहुत ही गहन था। उन्होंने रविवार रात को कैलगरी में जी7 के लिए पास के कनानास्किस में ट्रंप के साथ अपनी लंबी मुलाकात को याद किया। उन्होंने कहा कि जब मैं फादर्स डे पर उठा, तो मैंने यह अनुमान नहीं लगाया था कि मैं विश्व के नेताओं और एक निश्चित व्यक्ति को देखूंगा, जिसने दुनिया में बहुत दर्द और पीड़ा पैदा की है।

सम्बन्ध विच्छेद

मैंने अपने पुत्र विनित शर्मा को उसके परिवार सहित उसके कुकृत्यों से तंग व परेशान होकर मैंने अपने पुत्र विनित शर्मा से समस्त रिश्ते नाते व सम्बन्ध समाप्त कर दिये है। तथा उसे अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब भविष्य में मेरा व मेरे परिवार का और मेरे दोनो लडको का उससे कोई ताल्लुक वास्ता नही होगा। तथा अपने द्वारा किये गये किसी भी लेन देन, व्यवहार या कत्य के लिए वह स्वम जिम्मेदार होगा मेरा व मेरे परिवार का कोई उत्तरदायित्व किसी प्रकार का नही होगा।
राजवीर शर्मा पुत्र स्व० श्री टीकम शर्मा निवासी- ग्राम महरौली एन0एच0-24 थाना - वेवसिटी जनपद- गाजियाबाद

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
FUTURE IS HERE
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी–2, सैक्टर ओमेगा–1, ग्रेटर नौएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर–201308 (उ.प्र.)
Toll Free No.18001808296 वेबसाइट : www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांकः वाई.ई.ए./भूलेख/173/2025 दिनांकः 17.06.2025

सार्वजनिक सूचना

निम्नलिखित भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा आपसी सहमति के आधार पर काश्तकारों से क्रय किया जाना प्रस्तावित है। क्रय हेतु काश्तकार, गाटा संख्या, क्षेत्रफल व काश्तकार का हिस्सा निम्नलिखित तालिका में अंकित है –

(सैक्टर–10, ग्राम म्याना)

क्र०सं०	सैक्टर	ग्राम का नाम	खसरा संख्या
1	10	म्याना	576, 582, 583, 575, 573, 572, 565, 569, 570, 571, 560, 547, 535, 489, 409, 412, 385, 243, 241, 227, 228, 230, 231, 191, 192, 210, 219, 220, 222, 224, 360, 362, 365, 371, 373, 376, 378, 389, 400, 419 430, 460, 471, 487, 410, 409, 411, 412, 244, 438, 558, 772, 247, 552, 553, 559, 580, 645, 652

उपरोक्त खसरा नम्बरानो की भूमि को क्रय किये जाने के सापेक्ष्य यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में 15 दिवस के अंदर यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के कार्यालय/सी0आर0 सैल में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

डिप्टी कलेक्टर
यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लॉन के अतिरिक्त प्लॉटिंग / हाउसिंग / कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीदफोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

184 करोड़ के प्रोजेक्ट कार्यों को रफ्तार दे रहा है निगम

पार्षदों तथा पूर्व पार्षदों ने नगर आयुक्त से भेंट कर चल रहे अनेक प्रोजेक्ट के लिए दी शुभकामनाएं

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बायोडायवर्सिटी पार्क 13 करोड़, तृतीय एबीसी सेंटर 1 करोड़ 85 लाख, सीनियर सिटीजन केयर सेंटर 2 करोड़ 33 लाख, जोनल कार्यालय विजयनगर 6 करोड़ 96 लाख, आई टी एम एस प्रोजेक्ट 85 करोड़, 350 कैमरे लगाने का प्रोजेक्ट 2 करोड़ 45 लाख, सी एम ग्रिड प्रोजेक्ट 36 करोड़, मोहन नगर जोनल ऑफिस 13 करोड़, वूमेन हॉस्टल 24 करोड़ व अन्य प्रोजेक्ट जो कि शहर वासियों के हित में गाजियाबाद नगर आयुक्त द्वारा शासन से स्वीकृत कराए गए हैं जिन पर तेजी से कार्य चल रहा है। गाजियाबाद नगर निगम की इन सभी उपलब्धियां पर पार्षदों तथा पूर्व पार्षदों द्वारा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक से भेंट करते हुए उनको शुभकामनाएं दी गई। इसी प्रकार आगे भी हाउस टैक्स वसूली को बढ़ाते हुए जनहित में कार्य किये जाए योजना बनाई गई। पूर्व पार्षद प्रवीण भाटी, विकास, पप्पू पहलवान, पार्षद राहुल शर्मा, पार्षद यशपाल पहलवान, पार्षद संजय सिंह, पार्षद गोपाल उपस्थित रहे, इन्हीं के साथ कई वार्डों के जनप्रतिनिधि धान सिंह, धर्मेंद्र नागर, सुरेंद्र नागर, अनिल कल्याणी आशीष चौधरी भी उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश

करंट क्राइम। महापौर तथा नगर आयुक्त के नेतृत्व में चल रहे स्वास्थ्य विभाग संबंधित कार्य की भी प्रशंसा पार्षदों तथा पूर्व पार्षदों द्वारा की गई जिसमें डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन वाहनों की मॉनिटरिंग तथा सफाई मित्रों की बढ़ रही उपस्थिति को लेकर भी सरहाना की गई। 311 ऐप के माध्यम से जन समस्याओं के समाधान में भी हो रही सहूलियत पर बात की गई। मानसून से पहले सभी नालों की सफाई होने के साथ-साथ सिल्ट उठान का कार्य भी तेजी से हो मांग की गई। जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई दोनों मांग पर नगर आयुक्त द्वारा प्रभारी संपत्ति तथा स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही करने की निर्देश दिए गए, साथ ही एक सप्ताह में प्रभावी कार्यवाही करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी कहा गया।

पार्षदों ने मांग की, निगम की संपत्तियों से होने वाली आय पर दिया जाए ध्यान

करंट क्राइम। पार्षदों तथा पूर्व पार्षदों द्वारा गाजियाबाद नगर आयुक्त से नगर निगम की संपत्तियों से होने वाली आय को बढ़ाने पर विशेष ध्यान आकर्षित किया गया। दुकानों से होने वाली किराया वसूली, सामुदायिक केंद्रो से होने वाली आय, लाइसेंस मद से होने वाली आय को प्रभावी बनाने के लिए भी कार्यवाही करने की मांग की गई, शहर के विकास कार्यों पर चर्चा करते हुए पूर्व पार्षदों द्वारा निगम का विशेष सहयोग करने के लिए हाथ आगे बढ़ाया गया।

विकास को लगेंगे पंख : 21 परियोजनाओं के प्रस्ताव जीडीए ने शासन को भेजे

प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद उठाया कदम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स के दिशा निर्देशन में एनसीआर के अंतर्गत आने वाले गाजियाबाद में विकास की गति को कदम बढाने की दिशा में 21 परियोजनाओं से जुडे प्रस्तावों को 16वां वित आयोग के अंतर्गत स्वीकृति के लिए शासन को भेजा है। ये कदम शासन स्तर पर प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन की अध्यक्षता में 14 मई 2025 को वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से हुई बैठक के बाद उठाया है। इन प्रस्तावों में सर्व प्रथम सेक्टर 62 नोएडा इलैक्ट्रानिक सिटी ब्लू लाइन मेट्रो से साहिबाबाद गाजियाबाद तक विस्तार से जुडा है। इस परियोजना के अंतर्गत 5 मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित है। इसके अलावा करीब 200 करोड़ की लागत से इंदिरापुरम योजना में स्थित एलीवेटेड रोड पर दिल्ली जाने एवं दिल्ली से वसुंधरा/इंदिरापुरम उतरने के लिए स्लिप रोड बनाने के प्रस्ताव को भेजा गया है। इसी प्रकार इंदिरापुरम/वसुंधरा से दिल्ली जाने के लिए भी स्लिप रोड ना होने से इस क्षेत्र की बडी आबादी जो लगभग 12 लाख है, इस सडक का प्रयोग आवागमन के लिए इस्तेमाल नहीं कर पा रही है। प्राधिकरण उपाध्यक्ष के द्वारा शासन को भेजे गए प्रस्तावों में करीब 125 करोड़ की लागत से आरडीसी में मल्टी लेवल आटोमेटेड कार पार्किंग का प्रस्ताव भेजा है।

इसके साथ साथ करीब 30 करोड़ की लागत से सिटी फोरेस्ट के सौंदर्यकरण का प्रस्ताव भेजा गया है। इसके साथ साथ करीब 36 करोड़ की लागत से 45 मीटर चैडी रोड के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इसके अलावा हिंडनपार के राजेंद्र नगर में स्थित डा राम मनोहर लोहिया पार्क का लगभग 20 करोड़ की लागत से सौंदर्यकरण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। शासन को मधुबन बापू धाम योजना में करीब 26 करोड़ की लागत से प्रस्तावित 45 मीटर चौडाई एवं 1.575 किलो मीटर लंबाई की सडक का प्रस्ताव भेजा गया है। इसके अलावा 17.24 करोड़ की लागत से केडब्लू 6 के सामने जीडी गोयनिका स्कूल तक सी 5 में 24 मीटर प्रस्तावित रोड निर्माण एवं सीवरेज एवं डेज्नेज के करीब 2125 लंबाई क्षेत्र में कार्य का प्रस्ताव भेजा गया है।

इसके साथ साथ प्राधिकरण की मधुबन बापू धाम योजना क पाकेट ए में करीब 17 करोड़ लागत से सबका घर नामक कम्युनिटी सेंटर के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इसके अलावा बृज विहार योजना में में करीब 15 करोड़ की लागत से कम्युनिटी सेंटर के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा है।

इसके अलावा शासन को भेजे गए प्रस्तावों में प्रमुख रूप से कई प्रस्ताव रखे गए हैं-

- प्रताप विहार योजना में करीब 12.75 करोड़ की लागत से मुख्य चैराहों एवं सडकों के जीणोद्धार व सौंदर्यकरण का काय।
- ग्राम निवाडी में करीब 12 करोड़ की लागत से राश्ट्रीय स्तर की शूटिंग रेंज।
- 11.74 करोड़ की लागत से प्रस्तावित 30 मीटर जोनल रोड।
- 9.76 करोड़ की लागत से बंधा नूर नगर को जाने वाली 24 मीटर रोड निर्माण।
- 6.66 करोड़ की लागत से हम तुम रोड के सी 24 के मध्य 30 मीटर जोनल रोड।

उद्योग व्यापार मंडल गाजियाबाद ने अपर आयुक्त मानवेंद्र प्रताप सिंह को सौंपा ज्ञापन

व्यापारियों की गाड़ियों को अनुचित रूप से जब्त किए जाने का किया विरोध

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश जिला उद्योग व्यापार मंडल गाज़ियाबाद जिला अध्यक्ष प्रीतम लाल के नेतृत्व में संगठन के सभी विधानसभा के अध्यक्षों के साथ जीएसटी विभाग के अपर आयुक्त मानवेंद्र प्रताप सिंह ग्रेड वन के कार्यालय में जाकर ज्ञापन दिया। प्रीतम लाल ने बताया कि जीएसटी विभाग की मोबाइल यूनिट द्वारा आए दिन व्यापारियों की गाड़ियों को जबरन पकड़ा जा रहा है, जबकि इन वाहनों में ई-वे बिल, इनवॉइस तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज विधिवत एवं सही रूप में उपलब्ध होते हैं। इस प्रकार की कार्यवाही से व्यापारी वर्ग में भारी असंतोष व्याप्त है और यह विश्वास की भावना को ठेस पहुँचाती है। यदि इस प्रकार की कार्यवाही पर शीघ्र रोक नहीं लगाई गई तो उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, गाज़ियाबाद को बाध्य होकर आंदोलनात्मक कदम उठाने होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

उन्होंने अनुरोध किया कि इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेते हुए मोबाइल यूनिट को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जाएं ताकि वे अनावश्यक रूप से कागजात पूर्ण होने के बाद भी गाड़ियों को न रोके और व्यापारियों को बेवजह परेशान न किया जाए। इस अवसर पर सरिता सिंह अपर आयुक्त ग्रेड 2 मोबाइल यूनिट, जॉइंट कमिश्नर, जिला अध्यक्ष प्रीतम लाल, श्याम किशोर शुक्ला जिला कोषाध्यक्ष, अंकुर गर्ग जिला सचिव, राहुल शर्मा जिला मंत्री, बबलू चौहान विधानसभा उपाध्यक्ष, राकेश गोसाई जिला मंत्री, ब्रह्मपाल यादव जिला उपाध्यक्ष, आशीष शर्मा जिला अध्यक्ष युवा, दलबीर सिंह जिला महामंत्री युवा, शहजाद चौधरी अध्यक्ष मुरादनगर, गोपाल सिंघल जिला मंत्री, विशाल रावत प्रचार मंत्री युवा, मनोज अग्रवाल जिला उपाध्यक्ष, राजकुमार राणा अध्यक्ष विधानसभा साहिबाबाद, अमर सक्सेना विधानसभा महामंत्री, मीना कुमार, एडवोकेट कफील अहमद अध्यक्ष डसना मसूरी, संदीप बाठला अध्यक्ष विधानसभा 56, रजनीश बंसल, संदीप गुप्ता, राजवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

शहर विधायक संजीव शर्मा ने निर्माणधीन पुराने बस अड्डे का किया निरीक्षण

ओमेक्स ग्रुप के अधिकारियों को निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करने के दिए निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर विधायक संजीव शर्मा मंगलवार को पुराने रोडवेज बस अड्डा पहुंचे। उन्होंने बस अडडे के जीर्णोद्धार हेतु चल रहे निर्माण कार्यो का जायजा लिया और अधिकारियों को सभी कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करने के निर्देश दिए। विधायक संजीव शर्मा ने बताया पुराना बस अड्डा जब बनकर तैयार हो जाएगा तो तब यह गाजियाबाद के लिए तो आकर्षण का केंद्र होगा ही साथ ही पूरे उतर प्रदेश के लिए मिसाल भी होगा। बस अडडे का निर्माण पीपीएल मॉडल पर ओमेक्स ग्रुप द्वारा कराया जा रहा है। इस बस अडडे में मॉल भी बनाया जा रहा है, जहां यात्री शॉपिंग भी कर सकेंगें एवं देश के नामी ब्रांड के प्रोजेक्ट भी खरीद सकेंगे इसके साथ ही लजीज व्यंजनों का आनंद भी ले सकेंगे।

बस अडडे का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी व परिवहन मंत्री करेंगे

करंट क्राइम। बस अडडे का जीर्णोद्धार हो जाने पर यात्रियों के लिए पहले से अधिक बसें विभिन्न शहरों के लिए उपलब्ध होंगी। साथ ही यात्रियों के लिए सभी आधुनिक सुविधाएं भी मौजूद होंगी। बस अडडे का निर्माण कार्य पूरा हो जाने पर इसका उदघाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व परिवहन मंत्री करेंगे। परिवहन मंत्री के निर्देश पर ही उन्होंने मंगलवार को निमार्णाधीन बस अडडे में चल रहे निर्माण कार्यो का जायजा लिया। विधायक संजीव शर्मा के मीडिया सलाहकार अजय चोपड़ा ने बताया कि पुराने रोडवेज बस अडडे में दो पहिया पार्किंग व चार पहिया पार्किंग के साथ साथ इलेक्ट्रिक गाड़ियों को चार्ज करने की सुविधा भी रहेगी। यात्री शेड, कैंटीन, इंक्वायरी रूम, बुकिंग काउंटर, पार्सल रूम, शौचालय, एटीएम, पोस्ट ऑफिस आदि सुविधाओं के चलते यह बस उत्तर प्रदेश ही नहीं देश का आदर्श बस अडडा बनेगा।

बारिश में मस्ती...

साहिबाबाद, करंट क्राइम। ट्रांस हिंडन में मंगलवार को हुई बारिश से लोगों ने राहत की सांस ली। वसुंधरा सेक्टर -16 में रिमझिम बारिश का लुफ्त उठाते बच्चे।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा योद्धा का इंटरव्यू पढ़ने के बाद जाग गये एक विधायक जी के उनके प्रति जज्बात? उन्होंने कहा हमारी है बस इतनी ही अरदास? वो संगठन में खूब तरक्की करें? महानगर से लेकर प्रदेश, प्रदेश से लेकर राष्ट्र तक की व्यवस्थायें रहें उनके पास? वो करते हैं संगठन का बहुत ही खूबसूरत काम? मजबूती से पूरे किये हैं उन्होंने आयाम? संगठन के इस सफर पर वो यूं ही चलते रहें बिना विराम?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं बता रहा हूं आपको अंदर की बात? अभी तो पार्टी शुरू हुई है? अभी तो भगवा योद्धा के साथ टीम में काम करने को आतुर चेहरों को पसीना बहाना होगा बेहिसाब? दिसम्बर तक नहीं होनी है कोई घोषणा? धर्म को पालने वाले नेता जब आये थे गाजियाबाद? तब बता गये थे वो सारी योजना? ऐसे में करते रहो सब काम? दिसम्बर से पहले कुछ मिल जाये इस बारे में ज्यादा मत सोचना?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं साईलेंट हो चुके भगवागढ़ के महानमंत्रियों तक पहुंचाना चाहता हूं उनकी बात? मैं कहना चाहता हूं कि अभी नहीं डालने चाहिए उनको हथियार? वो पार्टी की गतिविधियों के लिए रहें पूरी तरह तैयार? वो अध्यक्ष के साथ विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर कर सकते हैं प्रोटोकॉल के अनुसार चर्चा और विमर्श? किसी निर्णय को पसंद नहीं कर रहे, तो दे सकते हैं उस पर तर्क? यूं पहलवान जी पीछे की पंक्ति में बैठकर हथियार ना डालो? उठो, जागो और माईक संभालो?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैडम ने अपनी मर्जी से छोड़ा था पद? सुना है वो तब नाराज हुईं थी, जब पार हो गई थी हद? इस पूरे मामले में हैं चाय का रोल? बस यहीं से शुरू हुआ था सारा झोल? चाय बनाने वाले को किसी ने अपने यहां आने के आदेश कर दिये थे जारी? बस ये बात किसी के दिल में बैठ गई थी बहुत ही गहरी और भारी? तभी से उन्होंने लौटा दी अपनी जिम्मेदारी?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि खोड़ा वाले भाटी जी हो गये हैं संगठन में आने वाली दौड़ से बिल्कुल दूर? हम देख रहे हैं उनके दीदार अब बिल्कुल भी नहीं हो रहे हैं हुजूर? हम तो बस इतना कराना चाहते हैं भगवा भाटी दीदी को एहसास? ओबीसी फैक्टर पर वो मैन टीम में आने का करती रहें प्रयास? क्या पता उनकी दावेदारी से मजबूत हो जाये उनकी किस्मत का सोटा? यहां पर ओबीसी फैक्टर भी काम करेगा और काम करेगा महिला कोटा?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम गागर में सागर भरने वाले नागर जी तक पहुंचा रहे हैं ये बात? हम बता रहे हैं कि रेड फेस मैन ने अब दूसरे गुर्जर चेहरे से अपनी नजदीकियां बढ़ा ली हैं बेहिसाब? जिस दिन था मित्तल जी के यहां भंडारा? वहां पर हमने देखा ये नजारा? यादव जी आरडीसी वाले बड़े गुर्जर चेहरे के साथ उतरे उनकी गाड़ी से? भंडारा चखने के बाद भी गये उन्हीं के साथ? हमें पता चला है होती है आजकल दोनों की चाय पर खूब चर्चा? पता नहीं इस बारे में नागर जी को पता भी है? या फिर हो रहा है उनका ऐसे ही समय का खर्चा?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा आरडी जी के दिल में लग गया आपका सवाल? सवाल में उठे थे उनकी सक्रिय सदस्यता पर सवाल? सवाल को पढ़कर रखी उन्होंने हमसे अपने दिल की बात? कहा ये देखो सौ रुपये वाली सक्रियता की रसीद है हमारे पास? हम तो अपनी समाज सेवा पर दे रहे है ध्यान ? महानगर की राजनीति से हमारा कुछ भी लेना देना नहीं है श्रीमान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि एक समय एक्सटेंशन वाले कवि त्यागी जी ने भगवा कमांडर का निभाया था बहुत ज्यादा साथ? ऐसे लग रहा था जिस तरह से वो अपना फार्म हाउस पार्टी के हर आयोजन में उपलब्ध करा रहे है? उनके इस समर्पण और कश्यप जी के आशीर्वाद से जरूर कुछ आयेगा उनके हाथ? मगर हम देख रहे है जब से हुआ है सत्ता परिवर्तन? जब से आई है भगवा योद्धा के हाथ में कमान? तब से कविवर महोदय भी उतने ऐक्टिव नजर नहीं आ रहे? शायद उन्हें एहसास हो गया है कि योद्धा नहीं पूरे करेंगे उनके अरमान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमने देखा मित्तल जी के एक बुलावे पर भगवा योद्धा ने दे दिए उनके भंडारे में दीदार? एहसास कराया, हम तुमको राजनीति के चश्मे से देखते ही नहीं? भले ही कमांडर के साथ होते हों तुम्हारे दीदार? कहने वाले ने कहा, हम तो योद्धा के बड़े दिल को मान गए यार? मगर हम देख रहे है गर्ग साहब जब से योद्धा बने है, तब से मिस्टर मित्तल ने नहीं दिए उनके यहाँ पर दीदार? क्या योद्धा के भंडारे में आने के बाद होगा उनका हृदय परिवर्तन? क्या अब तो वो पार्टी कार्यालय पर देंगे अपने दीदार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि त्यागी जी के कमेंट का क्या था अंदाज? सच बतायें सामने वाले को है इस बात का पूरा एहसास? वो कमेंट में कर रहे है तंज महसूस? क्योंकि उस कमेंट पर दी है कट्टर प्रतिद्वंदी ने प्रतिक्रिया? उनकी प्रतिक्रिया ही है इस बात का सबसे बड़ा सुबूत? कहने वाले ने कहा, अब इससे ज्यादा खुलकर हम नहीं रख सकते है बात? जो समझदार है, ये सवाल पढ़कर उनके चेहरे पर आ गई होगी मुस्कुराहट?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोज़ाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व सदस्य सरदार एसपी सिंह जानते हैं कि जीवन का राज खुश रहने और मस्त रहने में है। उन्होंने अपनी पोस्ट के ज़रिए 95 और 5 का गणित समझाया। एसपी सिंह ने अपने इस विचार को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि आपका मस्त जीवन 95 को प्रेरणा देगा और 5 को बरनोल। सरदार एसपी सिंह की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।